Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा, हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक

वेलकम इंडिया

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

नये भारत की नई सोच

RNI NO. UPHIN/2018/76874

वर्ष: 07 अंक: 319 | मंगलवार, 24 नवम्बर-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

भारत ने नेपाल के विकास के लिए 24 हजार करोड़ नेपाली रुपये के पैकेज का किया ऐलान

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि भारत ने नेपाल के पुनर्निर्माण और दीर्घकालिक विकास को मजबूती देने के लिए 24 हजार करोड़ नेपाली रुपये के विकास सहयोग पैकेज की घोषणा की है। श्री मोदी ने भारत यात्रा पर आए नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह के साथ द्विपक्षीय वार्ता के बाद संयुक्त प्रेस वक्तव्य में यह ऐलान किया। उन्होंने कहा कि भारत और नेपाल का रिश्ता केवल पड़ोस का नहीं, बल्कि अपनेपन और अटूट विश्वास का है। दोनों देशों की खुशियां और चुनौतियां साझा हैं तथा वे एक-दूसरे की प्रगति में भागीदार हैं। इस अवसर पर दोनों देशों के बीच आठ समझौतों पर हस्ताक्षर और रेल, सड़क, ऊर्जा एवं पेट्रोलियम से जुड़ी छह परियोजनाओं की शुरूआत और उद्घाटन भी किया गया।

दोनों प्रधानमंत्री ने वर्चुअल माध्यम से अयोध्या और जनकपुर के बीच सरयू-कमला एक्सप्रेस रेल सेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। श्री मोदी ने अगस्त में नेपाल में आई भीषण बाढ़ में हुई जनहानि पर गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि भारत मुश्किल समय में नेपाल के साथ खड़ा है और उसके पुनर्निर्माण में सहयोग करेगा। भारत और नेपाल के बीच शिक्षा, पुलिस प्रशिक्षण, प्रशासन, स्वास्थ्य, पारंपरिक चिकित्सा, अंतरिक्ष तकनीक और शहरी विकास सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग के लिए आठ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए।



इनमें गांधीनगर स्थित राष्ट्रीय न्यायालयिक विज्ञान विश्वविद्यालय और नेपाल पुलिस के अपराध जांच विभाग के बीच शैक्षणिक एवं शोध सहयोग का समझौता शामिल है। इसके अलावा भारत के राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय और नेपाल के राष्ट्रीय पुलिस अकादमी के बीच भी समझौता हुआ है। नेपाल के सरकारी कर्मचारियों के प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण के लिए भारत के सुशासन के लिए राष्ट्रीय केंद्र और नेपाल प्रशासनिक कर्मचारी महाविद्यालय के बीच समझौता किया गया है। दोनों देशों ने आयुर्वेद और अन्य पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा, पशुधन और मत्स्य विकास के क्षेत्र में सहयोग के लिए भी समझौते किए हैं।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन और नेपाल के सूचना एवं संचार मंत्रालय के बीच दक्षिण एशिया उपग्रह के उपयोग के लिए उपग्रह संचार नेटवर्क स्थापित करने का समझौता हुआ है। इसके साथ ही सतत शहरी विकास के क्षेत्र में तकनीकी सहयोग को लेकर भी दोनों देशों के बीच समझौता हुआ है।

संयुक्त वक्तव्य में दोनों देशों के बीच संपर्क और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए छह परियोजनाओं की शुरूआत, उद्घाटन और प्रगति से जुड़ी घोषणाएं की गईं। इनमें अयोध्या और जनकपुर के बीच सरयू-कमला एक्सप्रेस रेल सेवा शुरू करना शामिल है। भारत के बनबसा में नए एकीकृत जांच चौकी की आधारशिला रखी जाएगी। वहीं, भैरहवा, सुनौली और दोधारा चांदनी में एकीकृत जांच चौकियों के निर्माण में हुई प्रगति का भी उल्लेख किया गया।

धारचूला (भारत) और दार्चुला (नेपाल) के बीच नए सीमा पार मोटर वाहन पुल का उद्घाटन किया गया। ऊर्जा क्षेत्र में 669 मेगावाट की लोअर अरुण जलविद्युत परियोजना की आधारशिला रखी गई। इसके अलावा मोतिहारी-अमलेखगंज पेट्रोलियम पाइपलाइन के दूसरे चरण को राष्ट्र को समर्पित किया गया। प्रस्तावित सिलीगुड़ी-झापा पेट्रोलियम पाइपलाइन से जुड़े झापा पेट्रोलियम टर्मिनल की आधारशिला भी रखी जाएगी।

हर पुलिसकर्मी को सेवा व समर्पण की प्रेरणा देता है पुलिस ध्वज: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश पुलिस के कार्मिकों व उनके परिजनों को दी 'पुलिस झंडा दिवस' की शुभकामना

- कर्तव्यनिष्ठा, अदम्य साहस, अनुशासन और जनसेवा के अटूट संकल्प का गौरवशाली प्रतीक है पुलिस ध्वज: मुख्यमंत्री

वेलकम इंडिया, नेटवर्क



लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश पुलिस के सभी जवानों व उनके परिजनों को 'पुलिस झंडा दिवस' की शुभकामनाएं दीं। 'पुलिस झंडा दिवस' पर सोमवार को पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पुलिस कलर (फ्लैग पिन) लगाया और स्मृति चिह्न प्रदान किया।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस ध्वज कर्तव्यनिष्ठा, अदम्य साहस, अनुशासन और जनसेवा के अटूट संकल्प का गौरवशाली प्रतीक है। 'पुलिस झंडा दिवस' हमारी गौरवशाली परंपरा, अनुशासन, त्याग और बलिदान के संकल्प का स्मरण कराता है। उत्तर प्रदेश पुलिस के सभी कर्तव्यनिष्ठ कार्मिकों और उनके परिजनों को 'पुलिस झंडा दिवस' की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

मुख्यमंत्री योगी ने कहाकि यह ध्वज प्रत्येक पुलिसकर्मी को सेवा व समर्पण की प्रेरणा देता है तथा सबके मन में विश्वास व सुरक्षा का भाव सुदृढ़ करता है।

मुख्यमंत्री आवास पर फ्लैग पिन लगाने के दौरान अपर मुख्य सचिव (गृह) संजय प्रसाद, एडीजी (कानून-व्यवस्था) अमिताभ यश, आईपीएस सुनील इमैनुअल आदि मौजूद रहे।

यूपी चुनाव की तैयारी में जुटी भाजपा, विधायकों और सांसदों को 5 दिसंबर तक दी चौपाल की जिम्मेदारी

वेलकम इंडिया, नेटवर्क



नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों के लिए अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। पार्टी ने अपने सांसदों, विधायकों और एमएलसी को 5 दिसंबर तक पूरे राज्य में 'चौपाल' (जनसंपर्क बैठकें) आयोजित करने का लक्ष्य दिया है। विधानसभा चुनाव संभवतः अगले साल फरवरी या मार्च में होंगे। एक वर्चुअल मीटिंग के दौरान, बीजेपी के उत्तर प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े ने पार्टी विधायकों को निर्देश दिया कि वे तय समय-सीमा के भीतर अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों में 50-50 'चौपाल' आयोजित करें। राज्य के सभी बीजेपी सांसदों से भी कहा गया है कि वे अपने-अपने संसदीय क्षेत्रों में ऐसी 10-10 बैठकें आयोजित करें।

पार्टी ने उन इलाकों में अपनी पकड़ मजबूत करने की योजना भी बनाई है, जहां उसका कोई विधायक नहीं है या जहां संगठनात्मक रूप से पार्टी की स्थिति थोड़ी कमजोर है। इन क्षेत्रों में लोगों तक पहुंचने के लिए आयोजित होने वाली बैठकों की जिम्मेदारी बीजेपी के एमएलसी (टछउ) संभालेंगे। पार्टी के राज्यसभा सांसदों को भी कमजोर विधानसभा क्षेत्रों में 'चौपाल' आयोजित करने का काम सौंपा गया है। पूरे राज्य में चलाया जाने वाला यह जनसंपर्क अभियान 5 दिसंबर तक चलेगा। इसका मकसद विधानसभा चुनावों से पहले मतदाताओं के साथ पार्टी के जुड़ाव को बढ़ाना है।

इस वर्चुअल मीटिंग में उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों के लिए बीजेपी की तैयारियों और मतदाता सूची के चल रहे 'विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण' (रस्फ) की भी समीक्षा की गई। मीटिंग में विनोद तावड़े, उत्तर प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष पंकज चौधरी और धर्मपाल सिंह के अलावा पार्टी के कई सांसद और विधायक शामिल हुए, जो वर्चुअल तरीके से इस बैठक से जुड़े थे। सूत्रों के अनुसार, सत्ताधारी भाजपा ने विकास, कानून-व्यवस्था और सांस्कृतिक पहचान को अपने चुनाव के तीन मुख्य मुद्दे तय किए हैं। यह बात तब सामने आई है जब पार्टी मथुरा में दो दिवसीय मंथन सत्र आयोजित कर रही है। सूत्रों के मुताबिक, पार्टी ने अपने कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया है कि वे बूथ स्तर पर युवा मतदाताओं को आकर्षित करने पर जोर दें। कार्यकर्ताओं से कहा गया है कि मतदाताओं को लुभाने के लिए 'राधे-राधे, कमल खिला दे' जैसे नारों और जयकारों का इस्तेमाल किया जाए। इस सत्र के दौरान, कुछ नेताओं ने पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच पनप रहे असंतोष को लेकर चिंता जताई।

उन्होंने चेतावनी दी कि अगर कार्यकर्ताओं की शिकायतों का समाधान नहीं किया गया, तो आगामी विधानसभा चुनावों में पार्टी को मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने बिहार के जज को लगाई फटकार, कहा न्यायिक शक्तियों में बाहुबली न बनें

वेलकम इंडिया, नेटवर्क



नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने सासाराम के न्यायिक अधिकारी द्वारा पुलिस अधीक्षक को अवमानना में दोषी ठहराने पर सख्त नाराजगी जताई है। अदालत ने कहा कि न्यायिक शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए बाहुबली जैसा आचरण स्वीकार्य नहीं है। पीठ ने अधिकारी की कानून की समझ पर सवाल उठाते हुए उन्हें राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी में प्रशिक्षण के लिए भेजने की बात कही। प्राथमिकी दर्ज करने के निर्देशों का पालन नहीं करने पर एक पुलिस अधीक्षक (एसपी) को दोषी ठहराने और उन पर जुमार्ना लगाने वाले बिहार के न्यायिक अधिकारी को सोमवार को फटकार लगाते हुए उच्चतम न्यायालय ने कहा कि 'बाहुबली की तरह व्यवहार करना बंद करें'। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची तथा न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने बिहार के न्यायाधीश अनिल कुमार के आचरण पर सवाल उठाए और कहा कि कानून की उनकी समझ बेहद भयावह है। न्यायमूर्ति बागची ने मौखिक टिप्पणी में कहा, 'कानून की आपकी समझ से हम वास्तव में हैरान हैं। आपको पहले बीएनएसएस की धारा 384 और दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 345 के दायरे और व्यापकता को समझना चाहिए। यदि कोई किसी को थप्पड़ मारता है या अदालत में गाली-गलौज करता है, या निर्देश दिए जाने के बावजूद अदालत कक्ष से बाहर जाने से इनकार करता है, तो यह अदालत के समक्ष किया गया अपराध है। लेकिन यदि हम किसी को प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश देते हैं और वह ऐसा नहीं करता, तो यह अदालत के समक्ष किया गया अपराध नहीं है।' उन्होंने कहा, 'कानून की आपकी समझ बेहद भयावह है। आपने इतना आक्रामक रुख भी अपनाया, अधीक्षक को फोन किया और उसी दिन उसे दोषी ठहरा दिया।' न्यायमूर्ति बागची ने कहा, 'जब आपने जिला मजिस्ट्रेट और पुलिस अधीक्षक को बुलाया, उनकी अनुपस्थिति को अदालत के सामने किया गया अपराध माना और उन्हें दोषी ठहराकर सजा सुनाई, तब क्या आप अपने अधिकार क्षेत्र और न्यायिक शक्तियों के दायरे में थे? आप भी अपने हाथ रोकिए। मयार्दा में रहें।' न्यायालय ने कहा कि न्यायिक अधिकारी को प्रशिक्षण के लिए राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी भेजा जाना चाहिए। न्यायिक अधिकारी की पटना उच्च न्यायालय के उनके आदेश पर रोक लगाने के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) ने मौखिक रूप से कहा, 'अपने मुवक्किल से न्यायिक शक्तियों का प्रयोग करते समय 'बाहुबली' की तरह व्यवहार करना बंद करने को कहें।' रोहतास के सासाराम स्थित जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश-चतुर्थ ने 29 सितंबर, 2026 को तत्कालीन पुलिस अधीक्षक (एसपी) रोहतास एवं आईपीएस अधिकारी रोशन कुमार को अदालत के आदेशों की जानबूझकर अवहेलना करने के मामले में दोषी ठहराया और उन पर एक रुपये का सांकेतिक जुमार्ना लगाया।

मोदी जी कहीं नहीं जाएंगे: नितिन नवीन



नई दिल्ली। नेपाल के पीएम बालेंद्र शाह ने सोमवार को पीएम मोदी से बातचीत के बाद कहा कि भारत और नेपाल के संबंध हिमालय की तरह मजबूत और महासागरों की तरह विशाल हैं। उन्होंने कहा कि नेपाल में प्राकृतिक आपदाओं और मुश्किल परिस्थितियों के दौरान भारत एक भरोसेमंद पड़ोसी की तरह हमेशा सबसे पहले मदद के लिए आगे आया है। उन्होंने कहा कि हमारी वार्ता का उद्देश्य नेपाल और भारत के सदियों पुराने संबंधों को और मजबूत तथा आधुनिक बनाना था : नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात के बाद कहा। मुझे विश्वास है कि आज की वार्ता में हम जिन नतीजों पर पहुंचे हैं, उनसे नेपाल और भारत के संबंध नयी ऊंचाइयों पर पहुंचेंगे। इस दौरान नेपाल के पीएम ने यह भी कहा कि समय की मांग है कि नेपाल और भारत की स्थायी मित्रता की मजबूत नींव पर संबंधों को और सुदृढ़ बनाया जाए।

कांग्रेस-सपा के बीच गठबंधन पर सहमति, दो-तीन दिन में सीट बंटवारे पर फैसला

वेलकम इंडिया, नेटवर्क



नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के बीच गठबंधन और सीटों के बंटवारे को लेकर सोमवार को पहली औपचारिक बैठक हुई जिसके बाद दोनों दलों के नेताओं ने दावा किया कि बातचीत सौहार्दपूर्ण और सकारात्मक माहौल में हुई और जल्द ही सीटों के बंटवारे पर फैसला हो जाएगा। कांग्रेस तथा सपा दोनों दलों के नेताओं ने कहा है कि गठबंधन तय है और सीटों का बंटवारा दोनों दलों की ताकत, चुनावी समीकरणों और सीट जीतने की संभावना को ध्यान में रखकर किया जाएगा। गठबंधन का लक्ष्य दो-तिहाई बहुमत हासिल करना है और इसके लिए दोनों दल अपनी ताकत मिलाकर चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने उत्तर प्रदेश में सरकार बनाने का भरोसा जताया। बैठक कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी के आवास पर हुई जिसमें दोनों दलों के वरिष्ठ नेताओं ने हिस्सा लिया। बैठक के बाद कांग्रेस और सपा के नेताओं ने बातचीत के सकारात्मक माहौल में होने तथा जल्द सीट बंटवारे पर समझौता होने का दावा किया है। करीब आधे घंटे चली बैठक में सीटों के बंटवारे और चुनावी समीकरणों पर चर्चा हुई।

बैठक के बाद कांग्रेस के उत्तर प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम ने पत्रकारों से कहा कि बातचीत बहुत अच्छी और सकारात्मक रही। दोनों दल मिलकर चुनाव लड़ने पर सहमत हैं और जल्द ही आपसी सहमति से समझौते पर पहुंच जाएंगे। उन्होंने कहा कि सीट बंटवारे का मामला लगभग अंतिम रूप ले चुका है लेकिन अभी इसका विवरण साझा नहीं किया जाएगा। एक सवाल पर उन्होंने कहा कि दोनों दलों के नेताओं के बीच कल मंगलवार को भी बैठक होगी। उनका कहना था कि सपा और कांग्रेस का गठबंधन तय है इसको लेकर दोनों दलों में किसी को चिंता नहीं है तो भाजपा क्यों परेशान है।

उत्तर प्रदेश के वरिष्ठ कांग्रेसी नेता प्रमोद तिवारी ने कहा कि दोनों दलों के प्रतिनिधि उन निर्वाचन क्षेत्रों को चिह्नित कर रहे हैं जहां गठबंधन की जीत की संभावना है। सीटों का फामूर्ला दोनों दलों की ताकत और जीतने की क्षमता को ध्यान में रखकर तय किया जाएगा। दोनों दलों के बीच बातचीत आपसी सम्मान और सौहार्द के माहौल में हो रही है। उन्होंने कहा कि गठबंधन का लक्ष्य दो-तिहाई बहुमत से सरकार बनाना है।

श्री तिवारी ने कहा कि राजनीति में संभावना समय के अनुसार बदलती है और नये समीकरणों में कांग्रेस सपा का गठबंधन तो होना ही है। उन्होंने कहा कि भाजपा जब 1984 के लोकसभा चुनाव में महज दो सीटों से अपनी यात्रा शुरू कर मौजूदा स्थिति तक पहुंच सकती है तो सपा और कांग्रेस अपनी ताकत मिलाकर उत्तर प्रदेश में सरकार क्यों नहीं बना सकते। उन्होंने कहा कि बातचीत सौहार्दपूर्ण माहौल में हो रही है और जरूरत पड़ने पर मंगलवार को भी बैठक होगी। श्री तिवारी ने कहा कि दोनों दलों के नेता अपनी-अपनी ताकत और चुनावी आंकड़ों के आधार पर सीटों पर चर्चा कर रहे हैं। गठबंधन का लक्ष्य दो-तिहाई बहुमत से सरकार बनाना है और सीटों का बंटवारा जीतने की संभावना को ध्यान में रखकर तय किया जाएगा। दोनों दलों के बीच बातचीत आपसी सम्मान और सौहार्द के माहौल में हो रही है।

बिस्लेरी का पानी असुरक्षित मिलने पर FSSAI सख्त, अन्य वॉटर ब्रांड्स की जांच शुरू

नई दिल्ली। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (FSSAI) ने बिस्लेरी इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड के एक सैंपल को असुरक्षित पाए जाने के बाद, कंपनी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू करने का फैसला किया है।

इसके साथ ही, FSSAI देशभर में अलग-अलग पैक्ड ड्रिंकिंग वॉटर ब्रांड्स के सैंपल की जांच कर रहा है। सूत्रों ने पुष्टि की है कि अन्य ब्रांड्स के सैंपल भी लिए गए हैं और फिलहाल उनकी जांच चल रही है। साथ ही, पूरे देश में निरीक्षण और नियमों के पालन की जांच का काम भी जारी है।

FSSAI ने 'फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स एक्ट, 2006' के तहत बिसलेरी के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी दे दी है। ऐसा तब हुआ जब बिसलेरी के एक रेगुलेटरी सैंपल में सुरक्षा की तय सीमा से अधिक मात्रा पाई गई।

मायावती का 4 जिलों पर बड़ा दांव, नौ सीटों पर उम्मीदवारों के नाम का ऐलान

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

लखनऊ। मायावती की बीएसपी ने चार जिलों की नौ सीटों पर उम्मीदवारों के नाम का ऐलान कर दिया है। मैदान में उम्मीदवार उतार दिए हैं जहां एक तरफ बीजेपी और सपा अभी तक सीट बंटवारे और गठबंधन की बैठकों में उलझे हुए हैं। वहीं बसपा ने सीधे मैदान में अपने मोहरे उतार दिए हैं। लेकिन इस लिस्ट में सिर्फ नौ नाम नहीं हैं बल्कि इसके पीछे छिपा है आकाश आनंद का वो मास्टर स्ट्रोक और वो बड़ा सियासी दांव जो सीधे तौर पर कई सारे सवाल खड़े कर रहा है। हर एक नाम के पीछे एक सोची समझी सोशल इंजीनियरिंग काम कर रही है। अयोध्या की हाई प्रोफाइल बीकापुर विधानसभा सीट से बसपा ने पूर्व विधायक जितेंद्र सिंह बबलू पर भरोसा जताया है। मंच से आकाश आनंद ने बबलू को बसपा सुप्रीमो मायावती का बेहद ज्यादा विश्वास पात्र बताते हुए उनकी उम्मीदवारी का ऐलान किया। इसके बाद बारी आती है बसपा के पुराने गढ़ रहे अंबेडकर नगर की। यहां की चार सीटों पर नाम फाइनल किए गए हैं। बाराबंकी जहां की सदर सीट से बसपा ने मोहम्मद मुबाशिर को अपना आधिकारिक उम्मीदवार घोषित कर दिया है।

2027 की विधानसभा चुनाव की बिसात अभी पूरी तरीके से बिछी भी नहीं थी कि मायावती और आकाश आनंद ने यह सियासी दांव चल दिया है जिसने बीजेपी और समाजवादी पार्टी दोनों के होश उड़ाए हैं। बहुजन समाज पार्टी ने उत्तर प्रदेश के चार बड़े जिलों की कुल नौ विधानसभा सीटों पर अपने उम्मीदवारों के नामों का आधिकारिक ऐलान कर दिया। जिस तरीके से हमने हर एक सीट के उम्मीदवार का नाम आपको बताया। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 में इस बार बहुजन समाज पार्टी किसी भी दल के साथ गठबंधन किए बिना अकेले मैदान में उतर रही है। पार्टी की रणनीति बिल्कुल साफ है। चुनाव की तारीखों के ऐलान से काफी पहले ही अपने उम्मीदवारों के यानी कि प्रत्याशियों के नाम फाइनल कर दिए जाएं ताकि प्रत्याशियों को अपने-अपने क्षेत्र में माहौल बनाने, जमीनी तैयारी करने का पूरा वक्त मिल सके।

चार उम्मीदवारों के नाम हैं। कठेरी से मारुति मिश्रा को टिकट दिया गया है। आलापुर सुरक्षित सीट से केडी गौतम मैदान में उतरे हैं। अकबरपुर से मनोज कुमार वर्मा पर दांव चला गया है और जलालपुर सीट से डॉक्टर दयाराम राजभर को प्रत्याशी बनाया गया है। तीसरा जिला है सुल्तानपुर जहां की तीन सीटों पर बसपा ने मजबूत घेराबंदी की कोशिश की है। लंभुआ से शैलेंद्र कुमार सिंह को उम्मीदवार बनाया गया है। सुल्तानपुर सदर सीट से इम्तियाज अहमद उर्फ भुट्टो पर पार्टी ने खेला है और इसी के साथ जय सिंहपुर विधानसभा से मधुता वर्मा को टिकट देकर महिला और पिछड़ा कार्ड एक साथ चला है और चौथा जिला है

संपादक की कलम

होटलों की आड़ में देह व्यापार

शहरों की चमकती सड़कों, आलीशान होटलों और आधुनिक जीवनशैली के बीच यदि शोषण का कारोबार फलने-फूलने लगे, तो विकास के दावों पर सवाल उठना स्वाभाविक है। होटल यात्रियों के ठहरने, पर्यटन, व्यापार और पारिवारिक आवागमन की सुविधा के लिए होते हैं, लेकिन यदि कहीं उनकी आड़ में देह व्यापार, मानव तस्करी और महिलाओं का शोषण चल रहा है, तो यह केवल एक अवैध गतिविधि नहीं, बल्कि कानून-व्यवस्था और प्रशासनिक जवाबदेही की गंभीर विफलता है। सवाल यह है कि शहरों में ऐसे कारोबार पनपने की परिस्थितियाँ आखिर बनती कैसे हैं और जिम्मेदार तंत्र समय रहते कार्रवाई क्यों नहीं करता? होटल व्यवसाय शहरों की अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इससे रोजगार मिलता है, पर्यटन बढ़ता है और व्यापारिक गतिविधियों को गति मिलती है। लेकिन व्यवसाय की आड़ में गैरकानूनी गतिविधियों को संरक्षण देने वाले प्रतिष्ठान पूरे होटल उद्योग की प्रतिष्ठा को बदनाम करते हैं। यदि किसी होटल में देह व्यापार या शोषण का संगठित कारोबार संचालित हो रहा है, तो उसके विरुद्ध कार्रवाई केवल दिखावे की नहीं, बल्कि निर्णायक होनी चाहिए। कुछ समय के लिए छापेमारी करके फिर सब कुछ सामान्य हो जाना प्रशासनिक सफलता नहीं कहलाता। सबसे बड़ा प्रश्न पुलिस और स्थानीय प्रशासन की सक्रियता पर है। यदि किसी इलाके में संदिग्ध गतिविधियाँ लगातार सामने आती हैं, शिकायतें होती हैं और फिर भी कारोबार चलता रहता है, तो व्यवस्था की कार्यप्रणाली पर सवाल उठना लाजिमी है। क्या निरीक्षण नियमित होते हैं? क्या शिकायतों की जाँच निष्पक्षता से की जाती है? क्या होटल संचालकों की जिम्मेदारी तय होती है? क्या अपराध के पीछे सक्रिय दलालों और संगठित नेटवर्क तक कार्रवाई पहुँचती है? जनता को केवल छापेमारी की तस्वीरें नहीं, बल्कि अपराध पर स्थायी नियंत्रण दिखाई देना चाहिए। देह व्यापार से जुड़े मामलों को केवल नैतिकता के चश्मे से देखना भी गंभीर भूल है। कई महिलाएँ आर्थिक मजबूरी, धोखाधड़ी, दबाव, हिंसा और मानव तस्करी के कारण शोषण की परिस्थितियों में फँस जाती हैं। ऐसी महिलाओं को अपमानित करना या अपराधी की तरह प्रस्तुत करना अन्याय है। कार्रवाई उन लोगों के विरुद्ध होनी चाहिए जो मजबूरी का फायदा उठाते हैं, महिलाओं को नियंत्रित करते हैं, उन्हें धमकाते हैं और शोषण से मुनाफा कमाते हैं। नाबालिगों के यौन शोषण के मामलों में कठोर कानूनी कार्रवाई और तत्काल संरक्षण अनिवार्य है। समाज की विडंबना देखिए कि ऐसे मामलों में अक्सर महिला की पहचान, चरित्र और निजी जीवन चर्चा का विषय बन जाता है, जबकि कारोबार चलाने वाले, पैसे कमाने वाले और संभावित संरक्षण देने वाले लोग पर्दे के पीछे रह जाते हैं। पीड़ित को बदनाम करना आसान है, लेकिन अपराध के नेटवर्क तक पहुँचना कठिन। यही मानसिकता शोषण को बढ़ावा देती है। जब समाज पीड़ित पर प्रश्न उठाता है और अपराधी के तंत्र पर चुप रहता है, तब उसकी चुप्पी भी अन्याय की ताकत बन जाती है। होटल संचालकों की जिम्मेदारी भी स्पष्ट होनी चाहिए। व्यवसाय चलाने का अधिकार कानून के पालन के साथ जुड़ा है। पहचान संबंधी नियमों, रिकॉर्ड, सुरक्षा व्यवस्था और वैधानिक संचालन में लापरवाही को सामान्य नहीं माना जा सकता। किसी प्रतिष्ठान के विरुद्ध बार-बार शिकायत मिलने पर उसकी गंभीर जाँच होनी चाहिए। लाइसेंस और संचालन नियमों का नियमित निरीक्षण किया जाए तथा दोषी पाए जाने पर कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई हो। रसूख, आर्थिक प्रभाव या राजनीतिक संपर्क किसी भी व्यवसाय को कानून से ऊपर नहीं बना सकते। हालाँकि, कार्रवाई के नाम पर निर्दोष नागरिकों के निजी जीवन में अनावश्यक हस्तक्षेप भी स्वीकार्य नहीं है।



ललित शर्मा
संपादक

भारत-नेपाल नई रणनीतिक साझेदारी की दस्तक

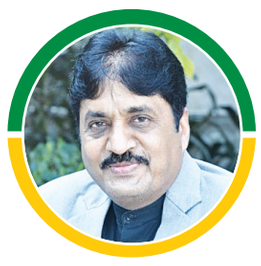

ललित गर्ग
लेखक



नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह का 22-23 नवंबर 2026 का भारत दौरा केवल एक प्रधानमंत्री की विदेश यात्रा नहीं, बल्कि भारत-नेपाल संबंधों में एक संभावित नई शुरूआत का संकेत है। मार्च में प्रधानमंत्री पद संभालने के बाद किसी देश की उनकी पहली द्विपक्षीय विदेश यात्रा भारत की है। सितंबर में वे संयुक्त राष्ट्र महासभा के लिए अमेरिका गए थे, लेकिन वह यात्रा द्विपक्षीय राजकीय यात्रा नहीं थी। इस दृष्टि से नई दिल्ली का उनका पहला पड़ाव विशेष महत्व रखता है। यह यात्रा इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि बालेन शाह के सत्ता में आने के बाद नेपाल की विदेश नीति में कुछ नए तेवर दिखाई दिए थे। भारत के प्रति उनके कुछ बयानों ने असहजता पैदा की, जबकि चीन के साथ नेपाल के आर्थिक और रणनीतिक संपर्क लगातार बढ़ते रहे। लेकिन विदेश नीति में स्थायी मित्रता और अस्थायी मतभेद दोनों साथ चलते हैं। 'देर आए, दुरुस्त आए'- बालेन शाह का नई दिल्ली आना इसी भाव को पुष्ट करता है। भारत ने भी इस रिश्ते में दरवाजा कभी बंद नहीं किया। अगस्त की विनाशकारी बाढ़ के बाद भारत ने नेपाल को आपात सहायता, राहत सामग्री और तकनीकी सहयोग दिया। भारत की यह भूमिका केवल मानवीय सहायता नहीं थी, बल्कि यह संदेश भी था कि मुश्किल समय में पड़ोसी ही सबसे पहले काम आता है। भारत और नेपाल का रिश्ता किसी सामान्य राजनयिक समझौते का रिश्ता नहीं है। दोनों देशों के बीच खुली सीमा, धार्मिक-सांस्कृतिक निकटता, विवाह संबंध, तीर्थ परंपरा, भाषा और सामाजिक संपर्क सदियों पुराने हैं। जनकपुर और अयोध्या, पशुपतिनाथ और काशी, बुद्ध की जन्मभूमि लुंबिनी और भारत की बौद्ध परंपरा, ये केवल पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि साझा सांस्कृतिक चेतना के पड़ाव हैं। लेकिन आज की दुनिया में केवल 'रोटी-बेटी का रिश्ता' पर्याप्त नहीं है। भावनाओं की अपनी जगह है, पर आर्थिक हित, तकनीक, ऊर्जा, सुरक्षा और कनेक्टिविटी भी रिश्तों की नई भाषा बन चुके हैं। इसलिए भारत-नेपाल संबंधों को भावनात्मक विरासत से आगे ले जाकर आर्थिक और रणनीतिक साझेदारी में बदलना समय की मांग है। नेपाल को विकास के लिए पूंजी, तकनीक, रोजगार, ऊर्जा बाजार और बेहतर संपर्क चाहिए। भारत के पास इन क्षेत्रों में क्षमता है। दूसरी ओर भारत को एक स्थिर, समृद्ध और मित्रवत नेपाल चाहिए। इसीलिए दोनों देशों के हितों में मूलभूत टकराव से अधिक पूरकता है।

बालेन शाह का भारत आना अपने आप में कूटनीतिक संदेश है। उनके पूर्ववर्ती केपी शर्मा ओली ने पहली आधिकारिक विदेश यात्रा चीन की करके पुरानी अघोषित परंपरा से अलग रास्ता चुना था। बालेन का भारत से शुरूआत करना यह साबित नहीं करता कि नेपाल चीन से दूरी बना रहा है, लेकिन यह जरूर बताता है कि नई दिल्ली को काठमांडू की विदेश नीति में उसका स्वाभाविक और महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त है। आज नेपाल भारत और चीन के बीच संतुलन साधना चाहता है। यह उसकी भौगोलिक और आर्थिक वास्तविकता भी है। भारत इसे समझता है और उसे किसी खेमे में धकेलने के बजाय ऐसी साझेदारी विकसित कर सकता है जिसमें नेपाल को अपनी स्वतंत्र विदेश नीति के साथ विकास के अधिक विकल्प मिलें। यही भारत की वास्तविक कूटनीतिक परीक्षा भी है-नेपाल को यह महसूस कराया जाए कि भारत उसके विकल्प सीमित नहीं करता, बल्कि उसके विकल्प बढ़ाता है। बालेन शाह की यात्रा में नेपाल ने करीब दो अरब डॉलर की अनुदान एवं रियायती ऋण सहायता की मांग रखी है। भारत ने आर्थिक प्रस्ताव पर सकारात्मक संकेत दिए हैं, हालांकि अंतिम पैकेज और उसकी संरचना पर बातचीत जारी है। हवाई मार्ग के प्रश्न पर भी अभी पूर्ण सहमति नहीं बनी है। यहीं भारत को एक नई सोच अपनानी चाहिए। नेपाल को केवल सहायता देना पर्याप्त नहीं, नेपाल की अर्थव्यवस्था को आत्मनिर्भर बनाने वाली परियोजनाओं में भारत का भागीदार बनना अधिक उपयोगी होगा। जलविद्युत इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। नेपाल के पास विशाल जलविद्युत क्षमता है, जबकि भारत को स्वच्छ ऊर्जा की बढ़ती जरूरत है। दोनों देश दीर्घकालिक बिजली व्यापार, ट्रांसमिशन लाइन और नई जलविद्युत परियोजनाओं के माध्यम से ऐसा मॉडल बना सकते हैं जिसमें नेपाल बिजली पैदा करे, भारत बाजार उपलब्ध कराए और दोनों देश समृद्ध हों। भारत-नेपाल के बीच 10,000 मेगावाट तक दीर्घकालिक बिजली व्यापार का लक्ष्य इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। पंचेश्वर परियोजना, लोअर अरुण, सीमा-पार बिजली संपर्क और नए ऊर्जा गलियारों को पुराने मतभेदों की फाइलों में दबाकर नहीं रखा जा सकता। 'जब जागो तभी सवेरा'-अब दोनों देशों को लंबित परियोजनाओं को परिणाम की जमीन पर उतारना होगा। भारत-नेपाल संबंधों का अगला बड़ा अध्याय कनेक्टिविटी होना चाहिए। रेल, सड़क, पाइपलाइन, डिजिटल नेटवर्क और हवाई संपर्क, ये आधुनिक युग की नई कूटनीतिक धमनियां हैं। अयोध्या-जनकपुर रेल संपर्क का आज ही शुरू होना सांस्कृतिक और पर्यटन दोनों दृष्टियों से महत्वपूर्ण है। रक्सौल-काठमांडू रेल संपर्क भविष्य में व्यापार और यात्रियों की आवाजाही को नई दिशा दे सकता है। सीमा पर एकीकृत जांच चौकियां, ऊर्जा पाइपलाइन और व्यापारिक गलियारों का विस्तार दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं को जोड़ सकता है। नेपाल के भैरहवा और पोखरा जैसे हवाई अड्डों के लिए अतिरिक्त भारतीय हवाई मार्ग की मांग भी महत्वपूर्ण है। इस विषय पर सुरक्षा, तकनीकी और हवाई क्षेत्र से जुड़े पहलुओं को ध्यान में रखते हुए व्यावहारिक समाधान खोजने की जरूरत है। कालापानी, लिपुलेख और लिम्पियाधुरा जैसे सीमा विवाद दोनों देशों के संबंधों की संवेदनशील वास्तविकता हैं। इसके अलावा 1950 की भारत-नेपाल संधि की समीक्षा, गोरखा सैनिकों की भर्ती, व्यापार असंतुलन और पंचेश्वर जैसे विषय भी समय-समय पर तनाव पैदा करते रहे हैं। इन विवादों को न तो नजरअंदाज किया जा सकता है और न ही उन्हें हर बैठक का केंद्र बनाना उचित होगा। रास्ता है-संवाद, तथ्य, संवेदनशीलता और राजनीतिक परिपक्वता। भारत-नेपाल संबंधों की चर्चा चीन के बिना अधूरी है। नेपाल चीन के साथ भी सड़क, ऊर्जा, संपर्क और बेल्ट एंड रोड से जुड़ी परियोजनाओं में सहयोग कर रहा है। भारत को इसे केवल भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा की दृष्टि से देखने के बजाय नेपाल की विकास आकांक्षाओं को समझना चाहिए। भारत की श्रेष्ठ रणनीति यह होगी कि वह नेपाल से कहे-'तुम्हारे विकास का रास्ता तुम्हारा है, लेकिन उस रास्ते में भारत तुम्हारा विश्वसनीय पड़ोसी और साझेदार है।' भारत को अपनी क्षमता से नेपाल को यह विश्वास दिलाना होगा कि लोकतंत्र, विकास, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, डिजिटल अर्थव्यवस्था और ऊर्जा में भारत की साझेदारी दीर्घकालीन है। विश्वास बंदूक से नहीं, व्यवहार से बनता है। भारत की 'पड़ोसी पहले' नीति को अब एक और व्यापक स्वरूप देने की आवश्यकता है। पड़ोसी देशों के साथ संबंध केवल सहायता देने या राजनीतिक संपर्क तक सीमित न रहें, बल्कि साझा आर्थिक विकास के प्लेटफॉर्म पर आधारित हों।

समय बड़ा बलवान, समय की बचत धन की बचत है, बीता समय लौटता नहीं



संजीव ठाकुर
लेखक

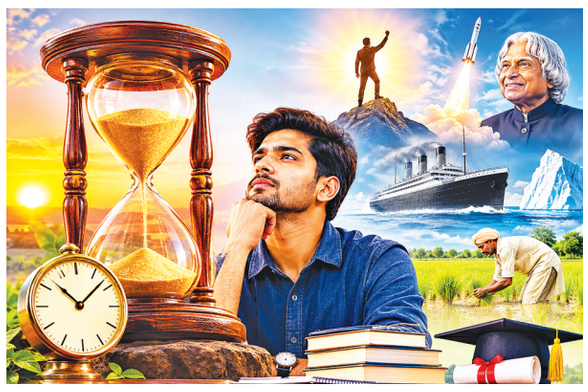

मनुष्य के जीवन में यदि कोई वस्तु सबसे मूल्यवान, सबसे निष्पक्ष और सबसे क्रूर है तो वह है समय। धन खोकर कमाया जा सकता है, स्वास्थ्य खोकर लौटाया जा सकता है, संबंध टूट कर जुड़ सकते हैं, पर बीता हुआ एक क्षण कभी लौट कर नहीं आता। इसीलिए हमारे शास्त्रों ने समय को ही सबका राजा कहा है, क्योंकि समय किसी का मित्र नहीं, किसी का शत्रु नहीं। वह राजा और रंक दोनों को दिन के चौबीस घंटे ही देता है, अंतर केवल इतना है कि कोई उसे सोने में गंवा देता है और कोई उसी में इतिहास रच देता है। इस सत्य को तुलसीदास जी ने बहुत पहले ही कह दिया था, समय चुकि पुनि का पछताने, का वर्षा जब कृषि सुखाने। अर्थात समय चूक जाने पर पछताने से क्या लाभ, जब फसल सूख चुकी हो तब वर्षा का क्या अर्थ। गीता में भगवान श्रीकृष्ण स्वयं को काल बताते हुए कहां है

'कालोऽस्मि लोकक्षयकृत्प्रवृद्धो', अर्थात मैं ही महाकाल हूँ, लोकों का नाश करने वाला। जो समय की गति को समझ लेता है, वही जीवन को समझ लेता है।

समय की बचत ही वास्तव में धन की बचत है, बल्कि धन से भी बड़ी बचत है। अंग्रेजी में कहा जाता है टाइम इज मनी, पर भारतीय दर्शन कहता है टाइम इज मोर दैन मनी। पैसा बैंक में जमा होता है, पर समय केवल खर्च होता है, वह कभी जमा नहीं होता।

बेंजामिन फ्रैंकलिन ने 1748 में अपने युवा व्यापारियों को लिखे पत्र में कहा था, याद रखो समय धन है, जो व्यक्ति दिन में दस शिलिंग कमा सकता है और आधा दिन घूमने में बिता देता है, वह केवल छह पेंस खर्च नहीं करता, बल्कि पाँच शिलिंग गंवा भी देता है। आज के जीवन में यह बात और भी स्पष्ट है। एक युवा यदि रोज एक घंटा सोशल मीडिया पर व्यर्थ स्क्रॉल करता है तो साल में तीन सौ पैंसठ घंटे, यानी पंद्रह पूरे दिन वह केवल अंगूठा चलाता है। यदि वही एक घंटा वह कोई कौशल सीखने में लगाए तो तीन साल में वह किसी भी क्षेत्र का विशेषज्ञ बन सकता है। यही समय का चक्रवृद्धि ब्याज है।

कबीरदास जी ने इसी बात को सरल शब्दों में कहा है, काल करे सो आज कर, आज करे सो अब, पल में प्रलय होएगी, बहुरि करेगा कब।

जो काम कल पर टालते हैं, वे जीवन भर कल पर ही रह जाते हैं। विद्यार्थी सोचता है परीक्षा के समय पढ़ लूंगा, किसान सोचता है कल बोऊंगा, व्यापारी सोचता है कल निवेश करूंगा, पर समय किसी की प्रतीक्षा नहीं करता।

महापुरुषों ने समय को हमेशा ईश्वर से भी बड़ा माना है। स्वामी विवेकानंद युवाओं से कहते थे, उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य न प्राप्त हो जाए, वे कहते थे एक मिनट भी बर्बाद मत करो, तुम्हारे पास अनंत शक्ति है पर समय सीमित है। महात्मा गांधी समय के इतने पाबंद थे कि लोग उनकी घड़ी देखकर अपनी घड़ी मिलाते थे, उनका कहना था मेरा जीवन ही मेरा संदेश है और उनका हर क्षण नियोजित था। एक बार किसी मिलने वाले ने पाँच मिनट की देरी कर दी तो गांधी जी ने कहा, आपने मेरे पाँच मिनट ही नहीं, पाँच मिनट में होने वाले मेरे विचार भी छीन लिए। रोमन दार्शनिक सेनेका ने कहा है, जीवन छोटा नहीं है, हम ही उसे छोटा बना देते हैं, हमारे पास समय की कमी नहीं है, हम ही उसे गंवाते हैं। गुरुनानक देव जी की वाणी है, 'नानक समय दी कदर कर, समय बड़ा अनमोल, जे समय चूके बंदेया, फिर पछताएगा तू।' फ्रैंकलिन रूजवेल्ट ने भी कहा था, समय को बर्बाद करना जीवन को बर्बाद करना है, क्योंकि समय ही तो जीवन है। समय का मूल्य समझाने के लिए इतिहास और वर्तमान में कई सशक्त उदाहरण हैं। भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम सुबह चार बजे उठ जाते थे, वे कहते थे सपने वो नहीं जो सोते हुए देखे जाते हैं, सपने वो हैं जो सोने नहीं देते। उन्होंने कहा था एक मिनट की देरी से रॉकेट नहीं, राष्ट्र का भविष्य चूक जाता है। उनकी समयनिष्ठा ने ही भारत को मिसाइल शक्ति बनाया। दूसरा उदाहरण टाइटैनिक का है, चौदह अप्रैल उन्नीस सौ बारह को टाइटैनिक के वायरलेस ऑपरेटर को पास के जहाज कैलिफोर्नियन से बर्फ की चट्टान की चेतावनी मिली थी, पर वह थका हुआ था और उसने संदेश को गंभीरता से नहीं लिया, दस मिनट बाद जवाब देने की सोची। वही दस मिनट की देरी ने पंद्रह सौ लोगों की जान ले ली, समय पर लिया गया एक संदेश इतिहास बदल देता। हमारे आसपास ही देख लीजिए, छत्तीसगढ़ का एक किसान यदि समय पर धान की बोआई कर देता है तो उसे पच्चीस क्विंटल प्रति एकड़ उपज मिलती है, वहीं पंद्रह दिन की देरी से बोने वाले को अठारह क्विंटल ही मिलती है। प्रकृति समय के साथ चलने वाले को पुरस्कृत करती है और समय को चुनौती देने वाले को दंडित करती है।

इसलिए समय का सदुपयोग ही जीवन की सबसे बड़ी कला है। इसके लिए जरूरी है कि हम प्रिय को नहीं, महत्वपूर्ण को चुनें और दिन में सबसे पहले सबसे कठिन और महत्वपूर्ण काम करें। हमें ना कहना सीखना होगा, क्योंकि हर व्यर्थ की गपशप, हर अनावश्यक निमंत्रण समय का चोर है। जैसे हम पैसे का बजट बनाते हैं, वैसे ही हर रात अगले दिन के चौबीस घंटों का बजट लिखना चाहिए। और सबसे जरूरी बात, शुभ मुहूर्त का इंतजार मत कीजिए, अब ही सबसे शुभ मुहूर्त है। समय नदी के प्रवाह की तरह है, आप उसी पानी को दोबारा नहीं छू सकते। जो हाथ में है, वही सत्य है। इसलिए घड़ी देखिए नहीं, घड़ी बन जाइए। क्योंकि घड़ी चलती है तो जीवन चलता है, और घड़ी रुकती है तो केवल घड़ी नहीं, जीवन रुक जाता है। बीता समय लौटता नहीं, पर आने वाला समय आपका इंतजार कर रहा है, उसे सम्मान दीजिए, वह आपको सफलता देगा।

मयार्दा की देहरी

डॉ. प्रियंका सौरभ



कविता

मयार्दा की देहरी, लाँघे जब इंसान।
रिश्तों की बुनियाद फिर, खो देती पहचान॥
छल के धागे जोड़कर, बुनते झूठी प्रीत।
सच के आगे टूटती, स्वार्थ भरी हर रीत॥

घर की चादर छोड़कर, बाहर ढूँढ़े प्यार।
मन की भूख न मिट सके, टूटे घर-संसार॥
विश्वासों की नींव पर, टिकता हर परिवार।
छल की पहली चोट से, बिखरें सुख-संसार॥

रिश्तों का सम्मान जब, बिकता तन के साथ।
झूठी पड़ती भावना, बढ़ता केवल स्वार्थ॥
लाज-शर्म की ओट में, पाप करे व्यवहार।
दुनिया के सम्मुख मगर, बनता नेकाचार॥

मोह जाल में फँस गया, भूला अपना मान।
क्षणिक सुखों के फेर में, खो बैठा पहचान॥
वचन दिए थे साथ के, बोल खोखले बोल।
स्वार्थ सधे तो प्रेम है, बाकी रिश्ते मोल॥

रिश्तों की पावन नदी, मैली करे विकार।
स्वार्थ डुबोता प्रेम को, टूटे मन के तार॥

मिसिंग पर्सन्स के नाम पर अफवाहों का जाल, डर और फेक न्यूज से लोकतंत्र पर संकट!



किशन भावनानीं
लेखक



वैश्विक स्तरपर इक्कीसवीं सदी का डिजिटल युग सूचनाओं की अभूतपूर्व शक्ति लेकर आया है।इंटरनेट सोशल मीडिया और मैसेजिंग प्लेटफॉर्म्स ने याँ को जोड़ दिया है,लेकिन इसी के साथअफवाहों और फेक न्यूज का संकट भी तेजी से बढ़ा है। आज भारत ही नहीं, बल्कि पूराविश्व इस चुनौती से जूझ रहा है कि किस प्रकार झूठी,भ्रामक और जानबूझकर फैलाई गई सूचनाएँ समाज, लोकतंत्र और मानव जीवन को गंभीर नुकसान पहुँचा रही हैं।यह स्थिति अब केवल सामाजिक यानैतिक चिंता का विषय नहीं रही,बल्कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा, जनस्वास्थ्य तथा चुनावी प्रक्रिया की शुचिता से जुड़ा गंभीर मुद्दा बन चुकी है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि अफवाहों का सबसे खतरनाक पहलू यह है कि वे अक्सर सच का रूप धारण कर लेती हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर वायरल होने वाली सामग्री भावनाओं को भड़काने,डर फैलाने और पूर्वाग्रह को मजबूत करने का काम करती है।भारत जैसे विविधता-पूर्ण देश में, जहाँ भाषा, धर्म, जाति और राजनीतिक मतभेद पहले से मौजूद हैं,अफवाहें सामाजिक ताने-बाने को कमजोर कर देती हैं। वैश्विक स्तर पर भी,अफवाहों ने नस्लीय तनाव,युद्ध जैसी स्थितियों और कूटनीतिकसंबंधों को प्रभावित किया है।फेक न्यूज का सबसे पहला और सबसे गहरा प्रभाव सामाजिक सौहार्द पर पड़ता है। सांप्रदायिक अफवाहें, भ्रामक वीडियो, एडिटेड तस्वीरें और संदर्भ से काटे गए बयान अक्सर हिंसा, दंगों और सामाजिकतनाव को जन्म देते हैं।भारत में बीते वर्षों में कई घटनाएं सामने आई हैं जहां व्हाट्सएप्प संदेशों या सोशल मीडिया पोस्ट के कारण भीड़ हिंसा,लिंचिंग और सांप्रदायिक टकराव हुए। यह दर्शाता है कि अफवाहें केवल सूचना की समस्या नहीं हैं, बल्कि सामाजिक सुरक्षा का संकट बन चुकी हैं।इसलिए अब यह स्पष्ट होता जा रहा है कि अफवाहों से निपटने के लिए केवल सामान्य कानून या प्लेटफॉर्म की स्वैच्छिक नीतियाँ सटीकता से पर्याप्त नहीं हैं।

साथियों बात अगर हम जनस्वास्थ्य के क्षेत्र में अफवाहों का प्रभाव और भी घातक सिद्ध हुआ है इसको समझने की करें तो कोविड-19 महामारी के दौरान दुनियाँ ने देखा कि कैसे झूठी सूचनाओं ने वैक्सीन को लेकर डर पैदा किया, इलाज के नाम पर खतरनाक घरेलू नुस्खों को बढ़ावा दिया और स्वास्थ्य प्रणालियों पर अविश्वास फैलाया।भारत सहित कई देशों में अफवाहों के कारण लोगों ने समय पर इलाज नहीं कराया, जिससे जानमाल की क्षति हुई। यह स्पष्ट है कि जब अफवाहें जीवन और मृत्यु का प्रश्न बन जाएँ, तब उन्हें रोकना केवल नैतिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि कानूनी आवश्यकता बन जाती है।भारत में डिजिटल प्लेटफॉर्मों की भूमिका इस पूरे परिदृश्य में अत्यंत महत्वपूर्ण है। व्हाट्सएप्प फेसबुक, इंस्टाग्राम और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म अफवाहों के सबसे बड़े वाहक बन चुके हैं। एंड-टू-एंडएन्क्रिप्शन अनियंत्रित फॉरवर्डिंग और एल्गोरिदम आधारित कंटेंट प्रमोशन ने झूठी खबरों को पलक झपकते ही लाखों लोगों तक पहुँचा दिया है। वर्तमान भारतीय कानून, जैसे आईटी एक्ट या आईपीसी की कुछ धाराएँ, इस समस्या से निपटने के लिए अपर्याप्त साबित हो रही हैं। ये कानून अफवाहों की गति, पैमाने और जटिलता को ध्यान में रखकर नहीं बिलकुल बनाए गए थे।

साथियों बात अगर हम पेड प्रमोशन और डर की मार्केटिंग इस एंगल से समस्या को समझने की करें तोअफवाहों के पीछे केवल अज्ञानता ही नहीं, बल्कि व्यावसायिक हित भी संभवतः काम कर रहे हैं।आज कई इन्फ्लुएंसर्स, पेज और चैनल जानबूझकर डरावनी सामग्री फैलाते हैं क्योंकि:इससे व्यूज बढ़ते हैं,एंगेजमेंट मिलता है पेड प्रमोशन और ब्रांड डील्स आती हैं,यह एक प्रकार की डर आधारित मार्केटिंग स्ट्रेटेजी है,जिसमें समाज की असुरक्षा को उत्पाद की तरह बेचा जाता है।कानून की सीमाएँ: क्या मौजूदा प्रावधान पर्याप्त हैं? भारत में आईटी एक्ट, भारतीय न्याय संहिता और अन्य कानूनों में अफवाहों से निपटने के कुछ प्रावधान मौजूद हैं, लेकिन वे:विशिष्ट नहीं हैं।

साथियों बात अगर हम इसी संदर्भ में, एक विशिष्ट और सख्त कानून लाने की आवश्यकता की करें तो, फेक न्यूज एक्ट की आवश्यकता महसूस की जा रही है,जो अफवाहों को स्पष्ट रूप से अपराध की श्रेणी में रखे। ऐसा कानून न केवल जानबूझकर झूठी सूचना फैलाने वालों के लिए दंडात्मक प्रावधान तय करे, बल्कि यह भी परिभाषित करे कि अफवाह, फेक न्यूज और भ्रामक सूचना क्या है।अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक समान ढाँचे की दिशा में प्रयास आवश्यक हैं, ताकि डिजिटल प्लेटफॉर्म की वैश्विक प्रकृति को ध्यान में रखते हुए देशों के बीच सहयोग संभव हो सके।हालाँकि, केवल कानून बना देना ही पर्याप्त नहीं होगा।यदि नागरिक स्वयं सही और गलत जानकारी की पहचान करने में सक्षम नहीं होंगे, तो अफवाहें किसी न किसी रूप में फैलती रहेंगी। इसलिए व्यापक स्तर पर डिजिटल साक्षरता और मीडिया साक्षरता अभियानों की आवश्यकता है। स्कूलों, कॉलेजों और सामुदायिक स्तर पर लोगों को यह सिखाना जरूरी है कि किसी खबर की सत्यता कैसे जाँची जाए,स्रोत की विश्वसनीयता कैसे परखी जाए और भावनात्मक अपील से सावधान कैसे रहा जाए।जागरूक नागरिक ही अफवाहों के खिलाफ सबसे मजबूत ढाल बन सकते हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म कंपनियों की जिम्मेदारी भी इस पूरे तंत्र में केंद्रीय है। अब यह मान लेना गलत होगा कि ये कंपनियाँ केवल मध्यस्थ हैं। इनके एल्गोरिदम यह तय करते हैं कि कौन-सा कंटेंट ज्यादा लोगों तक पहुँचेगा। इसलिए इन्हें कानूनी रूप से बाध्य किया जाना चाहिए कि वे कंटेंट मॉडरेशन को मजबूत करें, फॉरवर्ड की संख्या पर सख्त सीमाएँ लगाएँ और संदिग्ध सामग्री पर त्वरित कार्रवाई करें। भारत में व्हाट्सएप्प द्वारा फॉरवर्ड लिमिट जैसी पहलें हुई हैं, लेकिन इन्हें स्वैच्छिक प्रयासों से आगे बढ़ाकर कानूनी दायित्व बनाना आवश्यक है।

साथियों बात कर हम फेक न्यूज मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय स्तरपर समझने की करें, इस समस्या का समाधान सामूहिक प्रयास से ही संभव है। संयुक्त राष्ट्र, जी-20 और अन्य बहुपक्षीय मंचों पर फेक न्यूज और अफवाहों के खिलाफ साझा मानक तय किए जाने चाहिए। साइबर स्पेस की कोई भौगोलिक सीमा नहीं होती, इसलिए एक देश में फैली अफवाह दूसरे देश को भी प्रभावित कर सकती है। ऐसे में वैश्विक सहयोग,सूचना साझाकरण और संयुक्त नियामक ढाँचा समय की मांग है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि अफवाहें आज के समय में एक मौन लेकिन शक्तिशाली हथियार बन चुकी हैं, जो लोकतंत्र, जनस्वास्थ्य और सामाजिक सौहार्द को कमजोर कर रही हैं। भारत सहित पूरी दुनिया को यह स्वीकार करना होगा कि वर्तमान कानूनी और संस्थागत ढाँचे इस चुनौती के लिए अपर्याप्त हैं।एक सख्त, स्पष्ट और अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोण वाला कानून, मजबूत डिजिटल प्लेटफॉर्म नियमन और व्यापक जन-जागरूकता अभियान इन तीनों के समन्वय से ही अफवाहों पर प्रभावी नियंत्रण संभव है।यदि आज निर्णायक कदम नहीं उठाए गए, तो सूचना की आजादी का यह युग समाज के लिए सबसे बड़ा संकट बन सकता है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर , दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया । संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्रः 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

पीडीए समाज के पूरे वोट की हकदार समाजवादी पार्टी: मोहम्मद अरशद खान

पूर्व विधायक ने 2027 के विधानसभा चुनाव को सामाजिक न्याय, संविधान और वंचित वर्गों की हिस्सेदारी की लड़ाई बताया, पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक समाज से एकजुटता की अपील

वेलकम इंडिया संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं जौनपुर सदर के पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक समाज (पीडीए) की सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक हिस्सेदारी की लड़ाई को निर्णायक मुकाम तक पहुंचाने की ताकत समाजवादी पार्टी और उसके गठबंधन में है। उन्होंने कहा कि पीडीए समाज को अपने अधिकारों, सम्मान और राजनीतिक भागीदारी के मुद्दों पर एकजुट होकर निर्णय लेना चाहिए। वर्ष 2027 का उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव सामाजिक न्याय, संविधान की रक्षा और वंचित वर्गों की वास्तविक हिस्सेदारी के लिहाज से महत्वपूर्ण होगा। मोहम्मद अरशद खान ने अपने बयान में कहा कि पीडीए केवल एक राजनीतिक नारा नहीं, बल्कि समाज के उन वर्गों के सम्मान, अधिकार, प्रतिनिधित्व और सामाजिक न्याय का संकल्प है, जिन्होंने देश के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक समाज ने खेती, मजदूरी, उद्योग, बुनकर व्यवसाय, शिक्षा और अर्थव्यवस्था के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इसके बावजूद इन वर्गों को सत्ता, संसाधनों, सरकारी नौकरियों और निर्णय लेने वाली संस्थाओं में उनकी आबादी के अनुपात में पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं मिल पाया है।

उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने पीडीए की अवधारणा को राजनीतिक और सामाजिक विमर्श के केंद्र में लाकर वंचित वर्गों के अधिकारों और भागीदारी के सवाल को प्रमुखता दी है। पार्टी की नीतियों में सामाजिक न्याय, जातीय जनगणना, आरक्षण की



रक्षा, संविधान की मजबूती, शिक्षा, रोजगार और समान अवसर जैसे मुद्दे शामिल हैं। पूर्व विधायक ने कहा कि देश में जातीय जनगणना कराना आवश्यक है, ताकि विभिन्न सामाजिक वर्गों की वास्तविक आबादी और उनकी स्थिति का सही आकलन हो सके। इससे शिक्षा, रोजगार, राजनीति और आर्थिक संसाधनों में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी नीतियां बनाई जा सकेंगी। उन्होंने आरक्षण व्यवस्था की मजबूती, सरकारी नौकरियों में खाली पड़े आरक्षित पदों को भरने और वंचित वर्गों को समान अवसर उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि गरीबों, किसानों, मजदूरों, बुनकरों और छोटे व्यापारियों के आर्थिक उत्थान के लिए विशेष योजनाएं बनाई जानी चाहिए। युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, रोजगार और प्रतियोगी परीक्षाओं की बेहतर सुविधाएं मिलनी चाहिए। महिलाओं को राजनीति, शिक्षा, रोजगार और आर्थिक स्वावलंबन के क्षेत्र में समान अवसर उपलब्ध कराना भी सामाजिक न्याय का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि चुनाव के समय विभिन्न राजनीतिक दल पीडीए समाज को आकर्षित करने के लिए तरह-तरह के वादे और प्रलोभन दे सकते हैं। कुछ राजनीतिक ताकतें इस समाज के वोटों में बंटवारा कराकर अपना राजनीतिक हित साधने का प्रयास करेंगी। ऐसे में पीडीए समाज को राजनीतिक परिस्थितियों और अपने अधिकारों के मुद्दों को समझते हुए निर्णय लेना होगा। उन्होंने कहा कि सामाजिक एकजुटता ही किसी भी समाज की सबसे बड़ी ताकत होती है। यदि पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक वर्ग अपने अधिकारों के लिए एकजुट होकर आवाज उठाएंगे तो उनकी राजनीतिक और सामाजिक भागीदारी को मजबूती मिल सकती है।

पूर्व विधायक ने कहा कि उत्तर प्रदेश में 2027 का विधानसभा चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसमें सामाजिक न्याय, संविधान, आरक्षण, सम्मान और पीडीए की वास्तविक हिस्सेदारी जैसे मुद्दे भी महत्वपूर्ण रहेंगे। उन्होंने दावा किया कि अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी और उसका गठबंधन इन मुद्दों को मजबूती से आगे बढ़ा रहा है।

सामाजिक भागीदारी और युवाओं के भविष्य पर भी दिया जोर

मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि समाज के विकास का वास्तविक आधार शिक्षा, रोजगार और आर्थिक आत्मनिर्भरता है। जब तक समाज के सभी वर्गों को समान अवसर और उचित प्रतिनिधित्व नहीं मिलेगा, तब तक समावेशी विकास की परिकल्पना पूरी नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि आज बड़ी संख्या में युवा रोजगार की तलाश में हैं। किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य, मजदूरों को सम्मानजनक पारिश्रमिक और छोटे कारोबारियों को आर्थिक सुरक्षा की आवश्यकता है। बुनकर समाज सहित परंपरागत व्यवसायों से जुड़े लोगों के सामने भी कई आर्थिक चुनौतियां हैं, जिनके समाधान के लिए ठोस नीतियां बनाई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि संविधान प्रत्येक नागरिक को समानता और सम्मान के साथ जीवन जीने का अधिकार देता है। इसलिए समाज में भाईचारा, आपसी सद्भाव और सामाजिक समरसता बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। राजनीतिक भागीदारी का उद्देश्य केवल प्रतिनिधित्व हासिल करना नहीं, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं में भी समान अवसर सुनिश्चित करना होना चाहिए।

राष्ट्रीय गदा स्पोर्ट्स प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश की टीम बनी चैंपियन

पुरस्कार वितरण के साथ 14वीं राष्ट्रीय प्रतियोगिता का हुआ समापन

राजीव मोंगरा/वेलकम इंडिया

सहारनपुर। डॉ. भीमराव अंबेडकर स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित 14वीं राष्ट्रीय गदा स्पोर्ट्स प्रतियोगिता का भव्य समापन पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ। प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए मेजबान उत्तर प्रदेश की टीम ने सर्वाधिक पदकों पर कब्जा जमाकर प्रथम स्थान प्राप्त किया वहीं चंडीगढ़ की टीम दूसरे तथा उत्तराखंड की टीम तीसरे स्थान पर रही। प्रतियोगिता में अतिथियों के द्वारा विजेता खिलाड़ियों को पदक पहनाकर सम्मानित किया गया। गदा स्पोर्ट्स फेडरेशन, इंडिया के तत्वावधान में उत्तर प्रदेश गदा स्पोर्ट्स एसोसिएशन के द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि डॉ. सन्देश यादव (सदस्य - नागर विमानन मंत्रालय भारत सरकार) तथा विशिष्ट अतिथि चौधरी बृजपाल सिंह (चेयरमैन, गन्ना विकास परिषद



मंगलौर, हरिद्वार) का आयोजकों के द्वारा बुके भेंटकर भव्य स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. संदेश यादव ने कहा कि गदा स्पोर्ट्स खेल को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने और खिलाड़ियों को बेहतर मंच उपलब्ध कराने के लिए उनकी ओर से हरसंभव सहयोग एवं प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सहारनपुर में राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता का आयोजन गौरव की बात है। विशिष्ट अतिथि चौधरी बृजपाल सिंह ने फेडरेशन के पदाधिकारियों और आयोजन समिति के प्रयासों की सराहना की। फेडरेशन के महासचिव चित्रेन्दर कुमार की देखरेख में आयोजित हुई प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने गदा चक्र एवं गदा स्पोर्ट्स की विभिन्न स्पधाओं में प्रतिभाग कर अपने खेल का शानदार प्रदर्शन किया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि डॉ. सन्देश यादव के द्वारा प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली टीमों को ट्रॉफी प्रदान की। प्रतियोगिता के आयोजन में उत्तर प्रदेश गदा स्पोर्ट्स संघ की अध्यक्ष सीमा सैनी, उपाध्यक्ष रितु सैनी, सचिव सुरेंद्र कुमार एवं मनोज चौधरी का विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर अश्वनी कुमार, राजेश, भारती, कुलदीप कुमार सोनी, सुंदर लाल, रोहन, विनोद परदेसी, प्रशांत काकडे, राजेंद्र तंवर, विनोद हांडा, अश्वनी शर्मा, प्रिंस, नीतू, शगुन, लखन कुमार, मनोज प्रजापति सहित अनेक खेल प्रेमी उपस्थित रहे।सहारनपुर। डॉ. भीमराव अंबेडकर स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित 14वीं राष्ट्रीय गदा स्पोर्ट्स प्रतियोगिता का भव्य समापन पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ। प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए मेजबान उत्तर प्रदेश की टीम ने सर्वाधिक पदकों पर कब्जा जमाकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं

सोफिया इंटरनेशनल स्कूल में श्रद्धा एवं उल्लास के साथ मनाया गया गुरुपर्व

राजीव मोंगरा/वेलकम इंडिया



सहारनपुर। नागल. कस्बे की प्रतिष्ठित शिक्षण संस्था सोफिया इंटरनेशनल स्कूल नागल में गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में गुरुपर्व श्रद्धा एवं उत्साह के साथ धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में गुरबाणी का पाठ किया गया जिसमें विद्यार्थियों ने पूरे श्रद्धाभाव के साथ सामूहिक रूप से गुरबाणी का श्रवण कर गुरु नानक देवजी की शिक्षाओं को आत्मसात करने का प्रयास किया।

कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों को सिख धर्म की महत्वपूर्ण परंपरा लंगर एवं सेवा भाव से परिचित कराया गया। सभी विद्यार्थियों ने सामूहिक रूप से बैठकर भोजन किया और लंगर व्यवस्था को समझा। इस गतिविधि के माध्यम से बच्चों को समानता, सेवा, सहयोग, विनम्रता एवं भाईचारे का संदेश दिया गया। विद्यालय के चेयरमैन कोणार्क चौधरी, प्रधानाचार्य मनोज कुमार अवस्थी एवं कोऑर्डिनेटर श्रीमती अर्पिता विजन ने विद्यार्थियों को गुरु नानक देव जी के जीवन एवं उनकी शिक्षाओं से प्रेरणा लेने का संदेश दिया। साथ ही दलजीत सिंह ने बताया कि गुरु नानक देव जी की शिक्षाएँ हमें मानवता, समानता, प्रेम और निस्वार्थ सेवा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती हैं। इस अवसर पर राजेश कुमार, केशव अग्रवाल, सौरभ, शिवांशु, अजय, अभिषेक, सतेंद्र, पंकज, दलजीत, स्वाति, रजनी, वैशाली, सुनीता, वंदना, कीर्ति, रितु, शगुन, पारुल, किरण, शिवानी, मीनाक्षी, गरिमा, उर्वशी, सोनिया, पूजा, स्वीटी एवं निधि सहित समस्त विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहा। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों, आध्यात्मिक चेतना और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित होती है। विद्यालय भविष्य में भी महापुरुषों के जीवन और उनके आदर्शों से जुड़ी गतिविधियों का आयोजन करता रहेगा, जिससे बच्चों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो सके। कार्यक्रम का समापन गुरु नानक देव जी के बताए मार्ग पर चलने, जरूरतमंदों की सहायता करने तथा समाज में प्रेम, सद्भाव और भाईचारे को बढ़ावा देने के संकल्प के साथ हुआ।

खादी महोत्सव में किसान गोष्ठी का आयोजन, कृषि योजनाओं और साइबर फ्रॉड से बचाव की दी जानकारी

सरकारी फरमान किसानों के हित में - अधिकारी धरातल पर उतरे, किसानों को मिला योजनाओं का सीधा लाभ





राजीव मोंगरा/वेलकम इंडिया

सहारनपुर। सहारनपुर में चल रहे खादी महोत्सव 2026-27 में किसान गोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें जनपद के किसान एवं कृषि सखी ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया। मंच का संचालन एन०एस० बादल द्वारा तथा अध्यक्षता प्रगतिशील कृषक ठाकुर मदन सिंह, ग्राम महसपुर द्वारा की गई। सरकार के फरमान और किसानों के हित में अधिकारियों ने पूरी मेहनत के साथ धरातल पर उतरकर योजनाओं की जानकारी दी। उप कृषि निदेशक सन्दीप पाल ने विभाग से संचालित योजनाओं का विस्तृत वर्णन करते हुए काश्तकार-कृषक व्यक्तियों को संबोधित किया। जिला कृषि अधिकारी कपिल कुमार माही ने बताया कि जनपद में कृषि निवेश को लगातार बढ़ाया जा रहा है, ताकि किसान की आमदनी दोगुनी हो सके। डॉ० रविन्द्र कुमार तोमर कृषि वैज्ञानिक ने रबी सीजन में बोई जाने वाली फसलों के बारे में तकनीकी जानकारी प्रदान की, जिससे किसान कम लागत में अधिक उत्पादन ले सकें।

जिला मुख्य प्रबंधक कार्यालय से आए सैय्यद शान हुसैन ने आगंतुकों को वित्तीय साक्षरता एवं साइबर फ्रॉड से बचने के उपाय बताए। उन्होंने कहा कि किसान अपनी मेहनत की कमाई को ठगों से बचाएं और किसी भी अनजान लिंक या कॉल पर भरोसा ना करें। प्रदर्शनी में उप पशु चिकित्सा अधिकारी ने पशु पालन से संबंधित तथा विभाग में संचालित विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। प्रदर्शनी में जम्मू-कश्मीर के स्टॉल पर उच्च स्तर के गर्म शॉल, सूट कुर्ती, संत विनोबा भावे सेवा संस्थान, नकुड़ के स्टॉल पर खादी वस्त्रों पर भारी संख्या में आगंतुक देखे गए, जिनके द्वारा स्वदेशी उत्पादों की जमकर खरीद की जा रही थी। कार्यक्रम की आयोजक परिक्षेत्रीय ग्रामोद्योग अधिकारी माधवी सिंह ने खादी ग्रामोद्योग विभाग द्वारा संचालित ब्याज मुक्त मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना एवं माटीकला ग्रामोद्योग रोजगार योजना की जानकारी प्रदान की तथा प्रदर्शनी का भ्रमण करने एवं स्वदेशी उत्पादों की खरीद करने हेतु प्रेरित किया। क्षेत्रीय किसानों ने बताया कि वर्तमान समय में सरकार की योजनाएं अब कागजों से निकलकर खेत तक पहुंच रही हैं, यही असली विकास है।

एसएसपी ने जनसुनवाई में सुनीं फरियादियों की समस्याएं, समयबद्ध निस्तारण के निर्देश

राजीव मोंगरा/वेलकम इंडिया



सहारनपुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अभिनंदन सिंह ने सोमवार को पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित कर दूर-दराज क्षेत्रों से अपनी शिकायतें लेकर पहुंचे फरियादियों की समस्याएं गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुनीं। इस दौरान उन्होंने प्रत्येक शिकायत पर विस्तार से जानकारी प्राप्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

एसएसपी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई में प्राप्त होने वाली प्रत्येक शिकायत का निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए उनका न्यायसंगत समाधान किया जाए, ताकि किसी भी पीड़ित को अनावश्यक रूप से परेशान न होना पड़े। इस दौरान एसएसपी ने उपस्थित नागरिकों को उनकी शिकायतों के शीघ्र समाधान का भरोसा दिलाया। उन्होंने स्पष्ट किया कि सहारनपुर पुलिस आमजन की सुरक्षा, सम्मान और समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है। जनसुनवाई के माध्यम से लोगों को त्वरित न्याय दिलाना और उनकी शिकायतों पर प्रभावी कार्रवाई करना पुलिस की प्राथमिकता है।

केसर चीनी मिल नहीं, 11.44 हेक्टेयर जमीन हुई नीलाम, 28.50 करोड़ की बोली बढ़कर 41.05 करोड़ पहुंची

डीएम अविनाश सिंह की सख्ती से किसानों के बकाये की वसूली को मिली गति, 68 राउंड तक चली नीलामी में चार कंपनियों के बीच मुकाबला; एएनजी इन्फ्रा ने लगाई सबसे ऊंची बोली

वेलकम इंडिया संवाददाता

बरेली। बहेड़ी स्थित केसर चीनी मिल को लेकर चल रही नीलामी की चर्चाओं के बीच प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि चीनी मिल की नीलामी नहीं हुई है, बल्कि मिल के स्वामित्व वाली मुड़िया मुकर्रमपुर स्थित 11.443 हेक्टेयर जमीन की नीलामी की गई है। मिल का अस्तित्व बरकरार है और इस कार्रवाई से उसके संचालन पर कोई रोक नहीं लगी है। गन्ना किसानों के लंबे समय से लंबित करोड़ों रुपये के बकाये की वसूली के लिए जिलाधिकारी अविनाश सिंह के निर्देशन में कराई गई इस नीलामी में जमीन की कीमत ने नया रिकॉर्ड बनाया। करीब पांच महीने पहले इसी जमीन की बोली 28.50 करोड़ रुपये लगी थी, जो दोबारा नीलामी में बढ़कर 41.05 करोड़ रुपये पहुंच गई। इस तरह जमीन की कीमत में सीधे 12.55 करोड़ रुपये का इजाफा हुआ है। प्रशासन की सख्ती और पारदर्शी प्रक्रिया के चलते किसानों को बकाया भुगतान मिलने की उम्मीद मजबूत हुई है। केसर चीनी मिल की नीलामी को लेकर किसी तरह का भ्रम न रहे, इसके लिए प्रशासन ने स्थिति स्पष्ट की है। पूरी चीनी मिल, उसके संयंत्रों अथवा उत्पादन इकाई को नीलाम नहीं किया गया है। गन्ना किसानों के बकाया मूल्य की वसूली के लिए मिल की मुड़िया मुकर्रमपुर स्थित 11.443 हेक्टेयर जमीन को नीलामी में शामिल किया गया था। इसी जमीन के लिए सबसे अधिक 41 करोड़ पांच लाख रुपये की बोली प्राप्त हुई। इसका मतलब यह है कि केसर चीनी मिल का अस्तित्व पहले की तरह बना हुआ है। प्रशासन की इस कार्रवाई का उद्देश्य किसानों की बकाया धनराशि की वसूली करना है, न कि चीनी मिल को बंद करना।



जमीन की नीलामी से प्राप्त होने वाली धनराशि को नियमानुसार बकाया वसूली की प्रक्रिया में इस्तेमाल किया जाएगा। इस पूरी कार्रवाई का सबसे महत्वपूर्ण पहलू जमीन की कीमत में हुई उल्लेखनीय बढ़ोतरी है। 30 मई 2026 को इसी जमीन की पहली नीलामी के दौरान महज 28.50 करोड़ रुपये की बोली लगी थी। जमीन की कीमत कम होने को लेकर किसान संगठनों ने आपत्ति जताई थी और मामला मंडलायुक्त तक पहुंचा था। इसके बाद दोबारा नीलामी कराने का निर्णय लिया गया। नई सर्किल दरों के आधार पर जमीन का मूल्यांकन करीब 33.79 करोड़ रुपये किया गया और न्यूनतम बोली 35 करोड़ रुपये तय की गई। इस बार चार कंपनियों की भागीदारी और लगातार बढ़ती प्रतिस्पर्धा के चलते जमीन की कीमत 41.05 करोड़ रुपये तक पहुंच गई। पहली बोली की तुलना में 12.55 करोड़ रुपये अधिक मिलने से किसानों के बकाये की वसूली के लिए प्रशासन को अतिरिक्त धनराशि मिलने का रास्ता खुला है। केसर चीनी मिल पर गन्ना किसानों का लंबे समय से करोड़ों रुपये का भुगतान लंबित है। पेराई सत्र 2024-25 का भुगतान नहीं होने के कारण गन्ना आयुक्त ने 26 मई 2025 को करीब 182.30 करोड़ रुपये की वसूली के लिए प्रमाणपत्र जारी किया था। बाद में संशोधित वसूली राशि बढ़कर करीब 187.09 करोड़ रुपये हो गई। मिल प्रबंधन को बकाया भुगतान के लिए कई अवसर दिए गए, लेकिन पूरी धनराशि जमा नहीं कराई जा सकी। इसके बाद 16 जुलाई 2025 को मिल की मुड़िया मुकर्रमपुर स्थित जमीन सहित अन्य संपत्तियों को कुर्क किया गया। किसानों के लगातार दबाव और बकाया भुगतान की मांग को देखते हुए प्रशासन ने वसूली की कार्रवाई तेज कर दी।

इस बीच केसर चीनी मिल और उससे जुड़ी संपत्तियों की खरीद के लिए सहारनपुर की अवध फूड्स एंड मल्टी वेयरहाउस प्राइवेट लिमिटेड के साथ 431 करोड़ रुपये के समझौते की जानकारी प्रशासन को दी गई थी। खरीदार कंपनी की ओर से किसानों का बकाया भुगतान करने का भरोसा दिलाया गया था। सितंबर में 55 करोड़ रुपये के चेक भी प्रशासन को सौंपे गए। भुगतान के आश्वासन के बाद 25 सितंबर को प्रस्तावित नीलामी रोक दी गई थी। हालांकि, किसानों के बकाये और कर्मचारियों के वेतन के भुगतान के लिए दिए गए चेक बाउंस हो गए। इससे भुगतान की प्रक्रिया फिर अटक गई और प्रशासन को दोबारा वसूली की कार्रवाई आगे बढ़ानी पड़ी। रकम उपलब्ध नहीं होने के कारण जमीन की नीलामी का रास्ता अपनाया गया।

किसानों के भुगतान में लगातार हो रही देरी को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने 31 अक्टूबर को संबंधित अधिकारियों की बैठक बुलाकर वसूली प्रक्रिया तेज करने के निर्देश दिए थे। इसके बाद एसडीएम बहेड़ी गोपाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्व, गन्ना विभाग और पुलिस के अधिकारियों की टीम चीनी मिल पहुंची। अधिकारियों ने मिल प्रबंधन से बकाया भुगतान को लेकर जवाब मांगा और निर्धारित समय में भुगतान नहीं होने पर नियमानुसार कार्रवाई की चेतावनी दी।

डीएम की निगरानी में 68 राउंड तक चली नीलामी

जिलाधिकारी अविनाश सिंह के निर्देशन में नीलामी प्रक्रिया को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने के लिए विशेष इंतजाम किए गए। बहेड़ी तहसील सभागार में आयोजित नीलामी में चार कंपनियों ने हिस्सा लिया। पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी और सीसीटीवी रिकॉर्डिंग कराई गई। प्रशासनिक अधिकारियों के साथ किसान संगठनों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में बोली लगाई गई। नीलामी में एएनजी इन्फ्रा इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड, शारदा एग्री फूड्स, पिंगस इंटरप्राइजेज और एक्सपेडेंट लाइव रिसर्च एंड कंसल्टेंसी प्राइवेट लिमिटेड ने भाग लिया। सभी कंपनियों ने निर्धारित शर्तों के तहत 3.50-3.50 करोड़ रुपये की जमानत राशि जमा कराई थी। जमीन की न्यूनतम बोली 35 करोड़ रुपये निर्धारित की गई थी। इसके बाद चारों कंपनियों के बीच कीमत बढ़ाने को लेकर प्रतिस्पर्धा शुरू हुई। कुल 68 राउंड तक चली बोली के बाद एएनजी इन्फ्रा इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड ने 41.05 करोड़ रुपये की सर्वोच्च बोली लगाई।

श्रीनगर में विकास योजनाओं की सौगात, जल्द शुरू होगी देहरादून के लिए हेलीकॉप्टर सेवा

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने किया बैकुंठ चतुर्दशी मेले का शुभारंभ, श्रीनगर में साइंस सिटी और नगर निगम के नए कार्यालय भवन की घोषणा

वेलकम इंडिया/ओपी उनियाल







देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि बैकुंठ चतुर्दशी मेला केवल धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन नहीं, बल्कि प्रदेश की लोकसंस्कृति, समृद्ध परंपराओं और सामाजिक एकता का प्रतीक भी है। ऐसे आयोजन हमारी सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित रखने के साथ नई पीढ़ी को अपनी परंपराओं से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। मुख्यमंत्री ने यह बात पौड़ी गढ़वाल के श्रीनगर में आयोजित बैकुंठ चतुर्दशी मेले एवं विकास प्रदर्शनी का शुभारंभ करते हुए कही। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं और विभिन्न विकास परियोजनाओं की प्रगति की जानकारी दी। कार्यक्रम में स्थानीय लोगों ने ढोल-दमाऊं की थाप, पुष्पवर्षा और जयकारों के साथ मुख्यमंत्री का भव्य स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने मेले में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन एवं ग्रामोत्थान परियोजना के अंतर्गत लगाए गए विभिन्न स्टॉलों का निरीक्षण किया। उन्होंने स्थानीय उत्पादों, पहाड़ी हस्तशिल्प और महिला स्वयं सहायता समूहों की गतिविधियों की जानकारी लेते हुए उनके प्रयासों की सराहना की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने पारंपरिक तरीके से सिलबट्टे पर पहाड़ी नमक भी पीसा। इसके बाद उन्होंने कमलेश्वर महादेव मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रीनगर क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। लगभग 200 करोड़ रुपये की लागत से सीवर लाइन परियोजना को आगे बढ़ाया जा रहा है, जबकि करीब 650 करोड़ रुपये की लागत से राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) का निर्माण कार्य प्रगति पर है। क्षेत्र में पैरामेडिकल कॉलेज और नर्सिंग कॉलेज की स्थापना के लिए भी प्रयास किए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त नगर में आधुनिक बस स्टैंड और पार्किंग सुविधाओं का विकास किया जा रहा है। कोटद्वार-पौड़ी-श्रीनगर सड़क के दो लेन चौड़ीकरण की प्रक्रिया भी आगे बढ़ाई जा रही है, जिससे क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना का कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस परियोजना के पूरा होने से पहाड़ी क्षेत्रों में रेल कनेक्टिविटी मजबूत होगी और आवागमन सुगम होने के साथ पर्यटन तथा स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी नई गति मिलेगी। श्रीनगर के बेस अस्पताल में लगभग 25 करोड़ रुपये की लागत से क्रिटिकल केयर ब्लॉक का निर्माण किया गया है, जिससे क्षेत्र के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि श्रीनगर से देहरादून के लिए जल्द ही हेलीकॉप्टर सेवा शुरू की जाएगी। इससे स्थानीय नागरिकों के साथ पर्यटकों और श्रद्धालुओं को आवागमन की बेहतर सुविधा मिलेगी। पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण सड़क मार्ग से लंबी यात्रा करने वाले लोगों को इस सेवा से काफी सहूलियत मिलने की उम्मीद है। इससे पर्यटन गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। मुख्यमंत्री ने श्रीनगर में उत्तराखंड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (यूकॉस्ट) के माध्यम से साइंस सिटी विकसित करने की घोषणा की। इसके साथ ही श्रीनगर नगर निगम के नए कार्यालय भवन के निर्माण को स्वीकृति देने की बात कही। उन्होंने विष्णुप्रयाग, नंदप्रयाग, कर्णप्रयाग, रुद्रप्रयाग और देवप्रयाग में आधुनिक घाटों के निर्माण एवं सौंदर्यीकरण की भी घोषणा की। धारी देवी मंदिर के समीप श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए आधुनिक घाट विकसित किया जाएगा।

2027 में इंडिया गठबंधन बनाएगा सरकार: विश्वविजय सिंह

संतकबीरनगर सदर सीट से कांग्रेस के चुनाव लड़ने की जताई इच्छा, अंतिम फैसला राष्ट्रीय नेतृत्व करेगा: विश्वविजय सिंह

वेलकम इंडिया संवाददाताा



संतकबीरनगर। सोमवार को जिला कांग्रेस कार्यालय पर नवनियुक्त कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव एवं राजस्थान के सह प्रभारी विश्वविजय सिंह का जिलाध्यक्ष प्रवीण चंद पाण्डेय के नेतृत्व में पार्टी कार्यकताओं ने जोरदार स्वागत किया। इस दौरान कार्यकताओं ने उन्हें फूल-मालाएं पहनाकर और मिठाई खिलाकर बधाई दी। स्वागत समारोह को संबोधित करते हुए विश्वविजय सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश की जनता गठबंधन के साथ खड़ी है। प्रदेश का नौजवान, किसान, कमजोर तबका, वंचित समाज, दलित और पिछड़ा वर्ग प्रदेश का विकास चाहता है और तानाशाही से मुक्ति की अपेक्षा रखता है। उन्होंने कहा कि पिछले लोकसभा चुनाव में जनता ने भाजपा को हराकर स्पष्ट संदेश दिया था। अब 2027 के विधानसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन पूरी मजबूती के साथ भाजपा को हराने जा रहा है। भाजपा के नेताओं के बयानों और कार्यप्रणाली से उनकी घबराहट और हताशा साफ झलक रही है। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश में इंडिया गठबंधन के नेतृत्व में सरकार बनने जा रही है।संतकबीरनगर सदर विधानसभा सीट पर कांग्रेस की दावेदारी के सवाल पर उन्होंने कहा कि कार्यकताओं की इच्छा है कि सदर सीट से कांग्रेस पार्टी चुनाव लड़े। हालांकि, इस संबंध में अंतिम निर्णय कांग्रेस का राष्ट्रीय नेतृत्व और इंडिया गठबंधन का नेतृत्व करेगा। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन पहले भी मजबूत था, आज भी मजबूत है और आगे भी मजबूती के साथ बना रहेगा। गठबंधन 2027 के चुनाव में भाजपा को हराएगा।जिलाध्यक्ष प्रवीण चंद पाण्डेय ने कहा कि विश्वविजय सिंह ने बस्ती मंडल के प्रभारी से लेकर पूर्वांचल के प्रभारी तक के दायित्वों का निर्वहन करते हुए संतकबीरनगर के कार्यकताओं को हमेशा स्नेह और मार्गदर्शन दिया है। उन्होंने कार्यकताओं को संघर्ष की दिशा दिखाने के साथ ही जनता के बीच जाकर कांग्रेस की नीतियों को प्रभावी ढंग से पहुंचाने के लिए प्रेरित किया है। उन्होंने कहा कि विश्वविजय सिंह को राष्ट्रीय सचिव की जिम्मेदारी मिलने पर संतकबीरनगर का प्रत्येक कार्यकर्ता प्रियंका गांधी, राहुल गांधी और राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के प्रति आभार व्यक्त करता है। इस दौरान शांति देवी, सुनील कुमार पाण्डेय, अरुण पांडेय, सैयद तारिक हुसैन, दयाशंकर चौधरी, मोइन, श्याम बिहारी उर्फ गोलू पासवान, सतीश साहनी, अजय सिंह, रमेश पांडेय, सुग्रीव पासवान, गिरीश चंद्र पांडेय, निसार अहमद, हरि चौधरी, चंद्रमणि त्रिपाठी, रामलौट यादव, राजन लाला, मुन्नीलाल, विजय विश्वकर्मा, पिंटू सिंह, दुर्गेश पाठक, गुड्डू उपाध्याय, जमुना प्रसाद, अभिषेक, बिट्टू सिंह, महेश कुमार, संतोष पांडेय, सारे आलम, जमशेद अख्तर, चंद्रकला, हीरालाल, श्यामलाल और चंद्रप्रकाश पासवान सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कंस वध मेले की झांकी पर बवाल, धीरेंद्र शास्त्री के चित्रण पर जताई नाराजगी

कंस वध मेले की झांकी पर बवाल, धीरेंद्र शास्त्री के चित्रण पर जताई नाराजगी

वेलकम इंडिया संवाददाताा



मथुरा। कंस वध मेला-2026 के दौरान निकाली गई एक झांकी में बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री को कंस के रूप में प्रदर्शित किए जाने को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। इस मामले में आचार्य रोहित रिछारिया ने हिंदूवादी नेता संजय हरियाणा, कार्ष्णि नागेंद्र महाराज, भागवत आचार्य सुमंत कृष्ण शास्त्री, आरके पांडे सहित अन्य बृजवासियों के साथ जिलाधिकारी से मुलाकात कर शिकायती ज्ञापन सौंपा है। उन्होंने संबंधित आयोजकों और जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। आचार्य रोहित रिछारिया ने बताया कि माथुर चतुर्वेदी परिषद के तत्वावधान में आयोजित कंस वध मेले की झांकी में पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री को कंस के रूप में दिखाते हुए भगवान श्रीकृष्ण द्वारा उन्हें पीटने का दृश्य प्रदर्शित किया गया। उन्होंने कहा कि पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के प्रति करोड़ों हिंदुओं और सनातन धर्मावलंबियों की आस्था जुड़ी हुई है। ऐसे में इस तरह का सार्वजनिक चित्रण उनके अनुयायियों और श्रद्धालुओं की भावनाओं को आहत करने वाला है। दाऊजी महाराज मंदिर के पूर्व रिसीवर आरके पांडे ने कहा कि इस झांकी से समाज में विद्वेष और वैमनस्य की भावना उत्पन्न हुई है। उन्होंने इसे भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत दंडनीय अपराध बताते हुए निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग की है। ज्ञापन में 29 अक्टूबर को कथा के दौरान पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री द्वारा भगवान श्रीकृष्ण के प्रति कथित टिप्पणी को लेकर प्रकाशित समाचार पर भी आपत्ति जताई गई। बृजवासियों का कहना था कि महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण के प्रति भक्तिभाव और प्रेम प्रकट किया था, जिसे गलत तरीके से प्रस्तुत किया गया। इस दौरान अनुराग कृष्ण शास्त्री, चतुर नारायण शास्त्री, शिवम साधक, अनुज शास्त्री, अंशुल पराशर, मनप्रीत कौर, विनय कांत त्रिपाठी, मनीष कुमार गुप्ता एडवोकेट, उषा सोलंकी एडवोकेट सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

सैनिक कली राम खिप्पल की स्मृति में 26 नवंबर को होगा राष्ट्र स्तरीय सम्मान समारोह एवं स्वैच्छिक रक्तदान शिविर

वेलकम इंडिया संवाददाताा

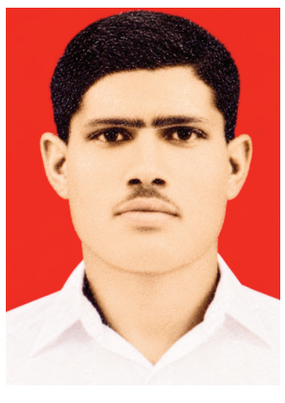

करनाल। देश की सीमाओं की रक्षा करते हुए वर्ष 1962 एवं 1965 के युद्धों में महत्वपूर्ण सेवाएं देने वाले पूर्व सैनिक एवं नायक स्वर्गीय कली राम खिप्पल की पुण्यतिथि पर 26 नवंबर को करनाल मानव सेवा संघ में राष्ट्र स्तरीय सम्मान समारोह, विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर एवं भंडारे का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम प्रातः 9 बजे आरम्भ हो जाएगा। राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित, राष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता, डायमंड रक्तदाता एवं पर्यावरण प्रहरी डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने बताया कि स्वर्गीय कली राम खिप्पल की स्मृति में आयोजित इस समारोह में देश के विभिन्न राज्यों से चयनित 151 समाजसेवियों एवं विशिष्ट व्यक्तियों को उनके उत्कृष्ट सामाजिक कार्यों के लिए ह्यश्री कली राम खिप्पल राष्ट्रिय गौरव सम्मानह्न से सुशोभित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही कार्यक्रम के समापन पर भंडारे आयोजित किया जाएगा। डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य पूर्व सैनिकों के त्याग, बलिदान एवं राष्ट्रसेवा की भावना को सम्मान देना तथा समाज में रक्तदान, शिक्षा, मानवता और सामाजिक सेवा के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। कार्यक्रम में विश्व दीप बेदी, डॉ. संजीव कुमार गोयल, गौरव कुमार, सतपाल सिंह सोलो, सागर भारद्वाज, सुशील कुमार, लाजपत राय सिंगला, सतीश कंबोज, गुरप्रीत सिंह, संजय कुमार, दविंद्र कुमार, मनोज कुमार, अंकित अशोक कौशिक, बलविन्द्र सिंह, सुरेंद्र कुमार, दीपक कश्यप, विजय कुमार हमीदपुर, अरविन्द सिंह, रविकांत सासना, अधिवक्ता सुनीता रानी, सोनिया शर्मा, जय कुमार हमीदपुर, डॉ. राजेश कौशिक, देवी दयाल, रवि वर्मा, राकेश बोथरा, डॉ. त्रिलोक छोकर, एडवोकेट हरविंद्र सिंह, प्रमोद कुमार, कविता बेदी, सतपाल एएसआई, वंदना गुप्ता, पवन कुमार, बलवंत वर्मा, रवि वर्मा, रविंद्र संधू, सतबीर सिंह, विकास गुप्ता, लवकुश, पवन सोनी, मुकेश कुमार, डॉ. नीना, महकप्रीत सिंह, सूरज कमल सेठ, कंवल सरदेवा, अमन भारद्वाज, अनूप भारद्वाज, सेठ पाल वर्मा, मुकुल सैनी, सतीश कुमार गौंडर, सोनाली शर्मा, जयवीर सिंह, कुलदीप सिंह, कुंवर अनुभव सिंह, एडवोकेट गोपाल सिंह, काजल सिक्का, शिव राज, रवि सोनी, हरि चंद, सचिन वर्मा, नरेश खिप्पल, रजनी वर्मा, हिमांशु पंवार, पविन्द्र सिंह, योगेश कुमार, रवि कुमार, विक्रम सिंह, मोहित अरोड़ा, प्रदीप कुमार, चमन लाल, सुनेना गुप्ता, अरुण कुमार, रवि पालीवाल, भीम कौशिक, प्रशांत शर्मा, मनीष गोगिया, लक्ष्य अत्री, राजकुमारी पंवार, इंदु सहगल, इंदु सरदाना, डॉ. निरुपमा, सुषमा मेहता, गुरदास, प्रदीप कुमार वर्मा, प्रवीण कुमार, नरेश मेहता, कुलदीप, डॉ आशीष अनेजा, ऋषि पाल, सतबीर कौशिक, धरमिंद्र सिंह, हर्ष कुमार, प्रमोद कुमार, अभिषेक वर्मा, शिवम चुघ, चरंजी लाल वर्मा, रोहतास वर्मा, सुनील पांचाल, प्रदीप कुमार, नीरज आनंद केशव भारद्वाज, डॉ मीत मोहन सिंह, सचिन खोखर, नीरज आनंद आदि को सम्मानित किया जाएगा।

श्री दयाराम बद्री केदार आश्रम का पंच दिवसीय उदघाटन एवं मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव हुआ सम्पन्न

वेलकम इंडिया संवाददाताा



मथुरा/वृन्दावन। अल्हैपुर मार्ग (निकट राधा फ्लोरेंस) स्थित श्री दयाराम बद्री केदार आश्रम में चल रहा आश्रम का पंच दिवसीय उदघाटन एवं मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव अत्यन्त श्रद्धा एवं धूमधाम के साथ सम्पन्न हुआ।महोत्सव के समापन पर दयाराम चैरिटेबल ट्रस्ट के द्वारा भागवत किंकर कमल नयन महाराज के पावन सानिध्य में 500 कंबलों का वितरण साधु-संतों, ब्राह्मण व ब्रजवासियों को किया गया।

कार्यक्रम में पधारे अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त पुराणाचार्य डॉ. मनोज मोहन शास्त्री एवं संयोजक आचार्य युगल किशोर कटारे ने कहा कि भागवत प्रवक्ता कमलनयन महाराज बहुत ही विलक्षण प्रतिभा की धनी व सहज, सरल, उदार, परोपकारी तथा विनम्र स्वभाव के हैं।उन्होंने अपनी बहुत ही कम आयु में समस्त धर्म ग्रंथो का अध्ययन कर विश्वभर में सनातन धर्म का प्रचार-प्रसार करने का जो अद्भुत कार्य किया है, वो अकल्पनीय व असाधारण है।इसके लिए उनकी जितनी प्रशंसा की जाय, उतनी कम है।

आचार्य अशोक व्यास रामायणी महाराज एवं आचार्य विनय त्रिपाठी ने कहा कि श्री दयाराम बद्री केदार आश्रम के अधिष्ठाता कमल नयन महाराज प्राचीन भारतीय वैदिक सनातन संस्कृति के प्रति बहुत ही समर्पित हैं।इसी के चलते वे असंख्य व्यक्तियों को प्रभु भक्ति से जोड़कर उनके कल्याण का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं।

इस अवसर पर आचार्य मंगेश दुबे, आचार्य राजेश कृष्ण शास्त्री, आचार्य चैतन्य किशोर कटारे, मीडिया प्रभारी डॉ. राधाकांत शर्मा, आचार्य अभिषेक कृष्ण महाराज, यज्ञाचार्य ब्रजमोहन सेम्वाल, अंकित शर्मा, हेमंत, जगदीश प्रसाद पुरोहित आदि के अलावा विभिन्न क्षेत्रों के तमाम गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।महोत्सव का समापन सन्त, ब्रजवासी, वैष्णव सेवा एवं वृहद भंडारे के साथ हुआ। जिसमें हजारों व्यक्तियों ने भोजन प्रसाद ग्रहण किया।

संविधान दिवस पर एक स्वर में गूंजेगी संविधान की प्रस्तावना, 3 हजार विद्यार्थी करेंगे सामूहिक पाठ

खलीलाबाद के हीरालाल राम निवास इंटर कॉलेज में 26 नवंबर को होगा भव्य आयोजन

वेलकम इंडिया संवाददाताा



संतकबीरनगर। संविधान दिवस के अवसर पर जिले में इस वर्ष एक अनूठा और भव्य आयोजन किया जाएगा। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देश पर 26 नवंबर 2026 को प्रदेशव्यापी 'एक स्वर, एक संविधान' अभियान के अंतर्गत संतकबीरनगर में लगभग 3 हजार विद्यार्थी एक साथ भारतीय संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक पाठ करेंगे। इस विशेष आयोजन के लिए खलीलाबाद स्थित हीरालाल राम निवास इंटर कॉलेज के मैदान को आयोजन स्थल के रूप में चयनित किया गया है। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थी एकत्र होकर निर्धारित समय पर एक स्वर में संविधान की प्रस्तावना का पाठ करेंगे। कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह 8:45 बजे से होगा, जबकि सुबह 9 बजे निर्धारित समय पर सभी प्रतिभागी विद्यार्थी एक साथ संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक पाठ करेंगे। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य नई पीढ़ी को भारतीय संविधान के महत्व, उसकी मूल भावना और लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रति जागरूक करना है। इसके माध्यम से विद्यार्थियों में न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुता जैसे संवैधानिक मूल्यों के प्रति सम्मान की भावना विकसित की जाएगी। आयोजन के दौरान विद्यार्थियों को संविधान में निहित मौलिक अधिकारों के साथ-साथ मौलिक कर्तव्यों की भी जानकारी दी जाएगी। उन्हें बताया जाएगा कि एक जागरूक नागरिक के रूप में देश की एकता, अखंडता और लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने में प्रत्येक व्यक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। सामूहिक प्रस्तावना पाठ के माध्यम से विद्यार्थियों में संविधान के प्रति सम्मान, सामाजिक समानता और राष्ट्रीय एकता की भावना को प्रोत्साहित किया जाएगा। कार्यक्रम के उपरांत विद्यार्थियों को संविधान में उल्लेखित मौलिक कर्तव्यों के पालन के लिए प्रेरित किया जाएगा। इसके साथ ही जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से निःशुल्क विधिक सहायता, लोक अदालत और विधिक सहायता हेल्पलाइन नंबर 15100 के संबंध में भी जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों और आम नागरिकों को उनके कानूनी अधिकारों तथा जरूरत पड़ने पर मिलने वाली निःशुल्क कानूनी सहायता के प्रति जागरूक करना है।

यह आयोजन उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से संचालित 'संविधान संवाद' अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इस अभियान के तहत विद्यालयों में विधिक साक्षरता क्लबों के माध्यम से विद्यार्थियों को संविधान की संरचना, संवैधानिक अधिकारों, नागरिक कर्तव्यों और विधिक सहायता से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी जा रही है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रखकर उन्हें संविधान की वास्तविक भावना और उसके व्यावहारिक महत्व से परिचित कराना है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, संतकबीरनगर की ओर से कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित की जा रही हैं। विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों की सहभागिता, आयोजन स्थल पर व्यवस्थाओं और सामूहिक पाठ को निर्धारित समय पर संपन्न कराने के लिए संबंधित स्तर पर समन्वय किया जा रहा है। इस आयोजन के माध्यम से जिले के हजारों विद्यार्थियों को एक मंच पर लाकर संविधान के प्रति जागरूकता का संदेश दिया जाएगा। साथ ही युवा पीढ़ी को संवैधानिक आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने, जिम्मेदार नागरिक बनने और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

गोकुल में अखिल भारतीय आमंत्रण पारंपरिक खेल एवं नॉर्थ जोन ड्रिपबॉल प्रतियोगिता संपन्न

वेलकम इंडिया संवाददाताा



मथुरा/गोकुल। गोकुल स्थित माउंट हिल स्कॉलर्स एकेडमी के खेल प्रांगण में आयोजित 'अखिल भारतीय आमंत्रण पारंपरिक खेल प्रतियोगिता' एवं 'नॉर्थ जोन ड्रिपबॉल प्रतियोगिता' का भव्य समापन हुआ। खो-खो, कबड्डी और ड्रिपबॉल की रोमांचक स्पर्धाओं से सजे इस खेल महाकुंभ में जूनियर वर्ग में उत्तर प्रदेश की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल चैंपियनशिप पर कब्जा जमाया, जबकि सीनियर वर्ग में राजस्थान की टीम चैंपियन बनी। प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली और उत्तराखंड सहित छह राज्यों के खिलाड़ियों ने जूनियर और सीनियर वर्गों में अपनी उत्कृष्ट खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता से चयनित सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी आगामी 17 से 19 जनवरी 2027 तक उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ स्थित केडी सिंह बाबू स्टेडियम में आयोजित होने वाली 'राष्ट्रीय स्पोर्ट्स मीट' में अपने-अपने राज्यों का प्रतिनिधित्व करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता माउंट हिल स्कॉलर्स एकेडमी के अभिषेक शर्मा ने की तथा सफल संचालन कार्यक्रम संयोजक एवं जिला खो-खो संघ के अध्यक्ष प्रेमपाल सिंह द्वारा किया गया। समारोह में मुख्य एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में भारतीय खेल एवं शिक्षा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अरविंद कुमार चित्तौड़िया, भारतीय खेल एवं शिक्षा परिषद के सचिव एडवोकेट धर्मेंद्र सिंह, बबीता ओबेरॉय तथा माउंट हिल स्कॉलर्स एकेडमी से यामिनी तिवारी गरिमामयी रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों ने विजेता एवं उपविजेता टीमों को ट्रॉफी व प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया और खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। संपूर्ण प्रतियोगिता के दौरान सभी मुकाबलों को निष्पक्ष एवं सुचारु रूप से संपन्न कराने में निर्णायक मंडल के रूप में प्रेम जी, सुभाष जी और मानवी जी ने सराहनीय भूमिका निभाई।

शैलेंद्र गुप्ता ने स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ कर विद्यार्थियों को दिया स्वस्थ जीवन का संदेश

सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में छात्र-छात्राओं का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण, जरूरतमंदों को बांटी गईं दवा

वेलकम इंडिया/मीनू बरकाती



पूरनपुर/पीलीभीत। विद्यार्थियों के बेहतर स्वास्थ्य और उन्हें बीमारियों से बचाव के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक के सौजन्य से स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में छात्र-छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण करने के साथ ही उन्हें स्वच्छता, खानपान और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के प्रति जागरूक किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ नगर पालिका अध्यक्ष शैलेंद्र गुप्ता, विद्यालय के प्रबंधक हरि बल्लभ गुप्ता और अध्यक्ष बृजेश गुप्ता ने संयुक्त रूप से किया। इस दौरान अतिथियों ने स्वास्थ्य जागरूकता को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया। उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ बच्चों का स्वस्थ रहना भी बेहद जरूरी है। समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण होने से छोटी-मोटी परेशानियों की पहचान कर उनका समय रहते उपचार कराया जा सकता है। स्वास्थ्य शिविर के दौरान चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों ने विद्यालय के छात्र-छात्राओं का परीक्षण किया। आवश्यकता के अनुसार विद्यार्थियों को दवाइयां भी वितरित की गईं। स्वास्थ्य कर्मियों ने बच्चों को विभिन्न बीमारियों से बचाव के तरीके समझाते हुए व्यक्तिगत स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी। विद्यार्थियों को बताया गया कि मच्छरों से बचाव के लिए नियमित रूप से मच्छरदानी का प्रयोग करें। भोजन करने से पहले और शौच के बाद साबुन से अच्छी तरह हाथ धोएं तथा अपने घर और आसपास साफ-सफाई बनाए रखें।कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक के शाखा प्रबंधक अरविंद पांडे विशेष रूप से मौजूद रहे। इस अवसर पर उन्होंने नगर पालिका अध्यक्ष शैलेंद्र गुप्ता को शॉल ओढ़ाकर और स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। स्वास्थ्य शिविर को सफल बनाने में चिकित्सक डॉ. रतिका अग्रवाल, डॉ. शैलेश, शिखा शरण, आरती वर्मा, विष्णु सहित अन्य स्वास्थ्य कर्मियों का विशेष योगदान रहा।विद्यालय के प्रधानाचार्य संजय कुमार मिश्रा ने अतिथियों और स्वास्थ्य कर्मियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया। कार्यक्रम का संचालन राजीव मोहन अग्रवाल ने किया। शिविर में विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।आयोजकों ने कहा कि इस तरह के शिविरों से विद्यार्थियों को न केवल अपने स्वास्थ्य की जानकारी मिलती है, बल्कि उनमें साफ-सफाई और बीमारियों से बचाव के प्रति जिम्मेदारी की भावना भी विकसित होती है।

छह दिसंबर को लखनऊ में होगी बसपा की ऐतिहासिक श्रद्धांजलि सभा : शमीम अहमद



वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

बांसी/सिद्धार्थनगर। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती के निर्देश पर छह दिसंबर को लखनऊ में डॉ. भीमराव आंबेडकर के 70वें परिनिर्वाण दिवस पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा को सफल बनाने के लिए बसपा कार्यकर्ताओं ने सोमवार को बांसी विधानसभा क्षेत्र के मुकुंदजोत, जमलाजोत और बहादुरपुर सहित कई गांवों में जनसंपर्क किया। इस दौरान जिला संयोजक मुस्लिम भाईचारा शमीम अहमद, बस्ती मंडल के मंडल जोन प्रभारी दिनेश चंद्र गौतम और विधानसभा प्रभारी सत्येंद्र कुमार गौतम ने कहा कि बांसी विधानसभा से सैकड़ों की संख्या में लोग लखनऊ पहुंचेंगे। कार्यकर्ताओं से कार्यक्रम में शामिल होने वाले लोगों की नाम और मोबाइल नंबर सहित सूची तैयार करने को कहा गया। उन्होंने बताया कि श्रद्धांजलि सभा में मुख्य अतिथि के रूप में बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती मौजूद रहेंगी। सभी से पांच दिसंबर को लखनऊ के गोमतीनगर स्थित आंबेडकर पार्क पहुंचने की अपील की गई। विधानसभा संयोजक विनोद कुमार राव ने कहा कि कार्यक्रम में मुस्लिम समाज की भी बड़ी भागीदारी रहेगी।

पुलिस झंडा दिवस पर एसएसपी ने फहराया ध्वज

पुलिसकर्मियों को कर्तव्यों के प्रति निष्ठावान रहने और ध्वज की गरिमा बनाए रखने के लिए किया प्रेरित





वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

सिद्धार्थनगर। पुलिस झंडा दिवस के अवसर पर सोमवार को रिजर्व पुलिस लाइन में गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन ने पुलिस ध्वज फहराकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने उपस्थित पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रतीकात्मक पुलिस फ्लैग लगाया और पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश की ओर से जारी संदेश पढ़कर सुनाया। एसएसपी ने पुलिसकर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि पुलिस झंडा दिवस पुलिस विभाग के गौरवशाली इतिहास, समर्पण, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा का प्रतीक है। यह दिवस प्रत्येक पुलिसकर्मी को अपने दायित्वों का पूरी ईमानदारी, निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग की पहचान उसकी कार्यशैली, अनुशासन और जनता के प्रति सेवा भावना से होती है। प्रत्येक पुलिसकर्मी को अपने आचरण और कार्यों से विभाग की प्रतिष्ठा एवं पुलिस ध्वज की गरिमा बनाए रखनी चाहिए। उन्होंने पुलिसकर्मियों से कानून-व्यवस्था बनाए रखने, अपराध नियंत्रण, जनसुरक्षा और आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए पूरी तत्परता से कार्य करने का आह्वान किया। साथ ही कहा कि पुलिस का व्यवहार आम नागरिकों के प्रति संवेदनशील, सहयोगात्मक और न्यायपूर्ण होना चाहिए, जिससे जनता में पुलिस के प्रति विश्वास और सुरक्षा की भावना मजबूत हो। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्राधिकारी बांसी, क्षेत्राधिकारी अपराध, प्रतिसार निरीक्षक सहित अन्य पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। इसी क्रम में जनपद के सभी थानों और पुलिस कार्यालयों पर भी पुलिस ध्वज फहराया गया तथा पुलिसकर्मियों को कर्तव्यनिष्ठा की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम के माध्यम से पुलिस बल के गौरव, एकता, अनुशासन और सेवा भावना का संदेश दिया गया।

जिला निर्वाचन कार्यालय का डीएम ने किया निरीक्षण

1950 टोल फ्री नंबर पर मिली शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण करने के दिए निर्देश





वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

सिद्धार्थनगर। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिलाधिकारी गौरव सिंह सोगरवाल ने सोमवार को जिला निर्वाचन कार्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्वाचन कार्य में लगे कर्मचारियों से किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली। साथ ही टोल फ्री नंबर 1950 पर प्राप्त शिकायतों और उनके निस्तारण की स्थिति के बारे में पूछा। कर्मचारियों ने बताया कि मतदाता सूची में नाम जोड़ने और हटाने से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुई हैं। शिकायतकर्ताओं को ईसीआई-नेट एप के माध्यम से स्वयं अथवा संबंधित बीएलओ और उपजिलाधिकारी कार्यालय से संपर्क कर आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराने की जानकारी दी गई है। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों से समन्वय स्थापित कर शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी विधानसभा क्षेत्रों से प्रतिदिन मतदाता सूची में नए नाम जोड़ने की प्रगति की जानकारी प्राप्त करने के भी निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने निर्वाचन कार्य में पारदर्शिता और निष्पक्षता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि पात्र मतदाताओं को सूची में नाम दर्ज कराने का पूरा अवसर मिलना चाहिए। किसी भी शिकायत को लंबित न रखा जाए तथा मतदाताओं को आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराकर उनकी समस्याओं का प्राथमिकता से समाधान किया जाए।

हर गांव तक विकास की सोच, हर युवा को अवसर देने का संकल्प

धनपति वर्मा एडवोकेट ने जनसंपर्क अभियान को दी रफ्तार

वेलकम इंडिया/मीनू बरकाती



पीलीभीत। 128 बरखेड़ा विधानसभा क्षेत्र में धनपति वर्मा एडवोकेट लगातार गांव-गांव पहुंचकर लोगों से जनसंपर्क कर रहे हैं। ग्रामीणों के बीच पहुंचकर वह उनकी समस्याओं, जरूरतों और क्षेत्र के विकास से जुड़े मुद्दों पर संवाद कर रहे हैं। उनके जनसंपर्क अभियान में युवाओं के रोजगार, कौशल विकास, स्वरोजगार और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने जैसे विषय प्रमुखता से शामिल हैं।धनपति वर्मा का कहना है कि क्षेत्र का वास्तविक विकास तभी संभव है, जब गांवों के युवाओं को अपने ही क्षेत्र में रोजगार के बेहतर अवसर मिलें। इसके लिए कौशल विकास एवं तकनीकी प्रशिक्षण केंद्रों की स्थापना की जरूरत है, जिससे युवा प्रशिक्षण प्राप्त कर आत्मनिर्भर बन सकें। उनका जोर युवाओं को केवल रोजगार तलाशने वाला नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला बनाने पर भी है।उन्होंने अपने विकास संबंधी संकल्प में छोटे कारोबारियों, दुकानदारों और नए उद्यम शुरू करने वाले युवाओं को प्रोत्साहित करने की बात कही है। उनका मानना है कि स्वरोजगार और छोटे उद्योगों को बढ़ावा मिलने से ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियां बढ़ेंगी और स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए रास्ते खुलेंगे।इसके साथ ही किसानों और ग्रामीण युवाओं के लिए आय बढ़ाने वाली योजनाओं की जानकारी तथा उनका लाभ दिलाने में सहयोग को भी उन्होंने अपनी प्राथमिकताओं में शामिल किया है। गांवों में जनसंपर्क के दौरान वह लोगों से सीधे बातचीत कर रहे हैं और विकास की जरूरतों को समझने का प्रयास कर रहे हैं।धनपति वर्मा एडवोकेट का कहना है कि क्षेत्र की तरक्की के लिए शिक्षा, रोजगार, तकनीकी प्रशिक्षण और स्वरोजगार को एक साथ आगे बढ़ाना होगा। गांवों की समस्याओं को समझकर विकास की योजनाओं को धरातल तक पहुंचाना ही उनकी सोच का मुख्य आधार है।लगातार जारी जनसंपर्क अभियान के जरिए वह 128 बरखेड़ा विधानसभा क्षेत्र में लोगों के बीच अपनी विकास संबंधी प्राथमिकताओं और संकल्पों को पहुंचा रहे हैं।

व्यावसायिक प्रशिक्षकों से लखनऊ की सभा में पहुंचने की अपील

24 नवंबर को प्रस्तावित बैठक में अपनी मांगों को उठाने के लिए एकजुट होने का किया आह्वान

वेलकम इंडिया संवाददाता



सिद्धार्थनगर। व्यावसायिक प्रशिक्षकों की विभिन्न मांगों को लेकर 24 नवंबर को लखनऊ में महत्वपूर्ण सभा आयोजित की जाएगी। इसे लेकर सिद्धार्थनगर जिले के व्यावसायिक प्रशिक्षकों से बड़ी संख्या में लखनऊ पहुंचने की अपील की गई है। जिला अध्यक्ष मनोज कुमार चौहान और जिला उपाध्यक्ष दुर्गेश कुमार त्रिपाठी ने सभी व्यावसायिक प्रशिक्षकों से सभा में शामिल होकर अपनी मांगों को मजबूती से उठाने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि एकजुटता से ही अपनी जायज मांगों को प्रभावी ढंग से शासन-प्रशासन तक पहुंचाया जा सकता है। उन्होंने जिले के सभी प्रशिक्षकों से 24 नवंबर को लखनऊ पहुंचकर अपनी आवाज बुलंद करने की अपील की है। बैठक में व्यावसायिक प्रशिक्षकों की विभिन्न समस्याओं, लंबित मांगों और कार्यक्षेत्र से जुड़ी चुनौतियों को प्रमुखता से उठाने की तैयारी की जा रही है। प्रशिक्षकों का कहना है कि कौशल विकास और युवाओं को रोजगारपरक शिक्षा देने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है, इसलिए उनकी समस्याओं का समाधान भी प्राथमिकता के आधार पर होना चाहिए। पदाधिकारियों ने सभी प्रशिक्षकों से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में लखनऊ पहुंचकर एकजुटता का परिचय दें।

अधिवक्ताओं के सम्मान से मजबूत होंगे न्याय और लोकतंत्र के मूल्य : डॉ. रत्नेश गंगवार

बीसलपुर में भव्य अधिवक्ता सम्मान समारोह का आयोजन, सपा जिलाध्यक्ष धर्मेश गंगवार ने की शिरकत

वेलकम इंडिया/मीनू बरकाती



पीलीभीत। बीसलपुर विधानसभा क्षेत्र में समाजवादी पार्टी के आवेदक प्रत्याशी डॉ. रत्नेश गंगवार की ओर से अधिवक्ता सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनपद के बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं को सम्मानित कर उनके योगदान और सामाजिक भूमिका की सराहना की गई। समारोह में अधिवक्ताओं के सम्मान के साथ-साथ संगठन की एकजुटता और न्याय व्यवस्था में उनकी अहम भूमिका का संदेश भी दिया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष धर्मेश गंगवार रहे। इस दौरान समाजवादी अधिवक्ता सभा के जिलाध्यक्ष जेपी शुक्ला एडवोकेट, प्रदेश सचिव शिव शर्मा, भगवान शरण यादव, 130 विधानसभा अध्यक्ष शैलेश शर्मा, बीसलपुर सिविल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं समाजवादी अधिवक्ता सभा के विधानसभा अध्यक्ष संजय दुबे सहित तमाम प्रमुख पदाधिकारी और अधिवक्तागण मौजूद रहे।इसके अलावा जिला उपाध्यक्ष आशीष सक्सेना, राजीव यादव, मुजाहिद अली, रोहिताश, मोहनलाल कश्यप और संजीव वर्मा समेत जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे अधिवक्ताओं ने कार्यक्रम में सहभागिता की। आयोजक डॉ. रत्नेश गंगवार ने सभी सम्मानित अधिवक्ताओं को सम्मानित कर उनके प्रति आभार व्यक्त किया।समारोह के दौरान समाजवादी पार्टी के संस्थापक, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं देश के पूर्व रक्षामंत्री श्रद्धेय मुलायम सिंह यादव की जयंती भी श्रद्धापूर्वक मनाई गई। उपस्थित नेताओं और अधिवक्ताओं ने नेताजी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। वक्ताओं ने उनके संघर्षपूर्ण राजनीतिक जीवन और समाज के कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए किए गए कार्यों को याद किया।इस अवसर पर डॉ. रत्नेश गंगवार ने अधिवक्ता समाज के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि अधिवक्ता न्याय व्यवस्था की मजबूत आधारशिला हैं। समाज में न्याय, अधिकारों की रक्षा और लोकतांत्रिक व्यवस्था को सशक्त बनाने में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उनका सम्मान करना केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि न्याय और संविधान के मूल्यों के प्रति सम्मान प्रकट करना है।कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के जन्मदिन पर मरीजों में बांटे फल

मेडिकल कॉलेज में आयोजित हुआ कार्यक्रम, मरीजों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की





वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

सिद्धार्थनगर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के जन्मदिन पर पूर्व नगर अध्यक्ष अर्चिष्मान मिश्र की ओर से माधव प्रसाद त्रिपाठी मेडिकल कॉलेज में फल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान अस्पताल के विभिन्न वार्डों में भर्ती मरीजों को फल वितरित कर उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मौर्य और नगर पालिका अध्यक्ष गोविंद माधव मौजूद रहे। उन्होंने मरीजों को फल वितरित किए और प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के दीघार्यु एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। इस मौके पर अतिथियों ने कहा कि जरूरतमंदों की सेवा और सहायता करना सामाजिक जिम्मेदारी है। विशेष अवसरों पर सेवा कार्यों के माध्यम से समाज के प्रति संवेदनशीलता का संदेश दिया जाना चाहिए। कार्यक्रम में रमेश मणि त्रिपाठी, प्रभात तिवारी, मनोज लोधी, धनराज यादव, संतोष चौधरी, संदीप जायसवाल, गिरजापति लोधी, रामकृष्ण पांडेय, जतिन चौबे, विशाल यादव, विपुल मिश्र, रामस्वरूप अग्रहरि, अमरेंद्र पांडेय, अरुणेश चौबे, विष्णु यादव, अभिषेक मणि, राजन सिंह, अश्वनी सिंह, आनंद प्रताप, दुर्गेश यादव, धीरेंद्र सोनी, राजा मिश्र, आशीष यादव, सत्यजीत यादव, सनी यादव, अंकित कुमार, पवन पाठक, शशि यादव, शिवम यादव, जंगली यादव, ऋतिक सिंह, सत्यम मिश्र, दियांश पाठक और अजय सिंह सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

151 लीटर दूध से होगा मां गंगा का दुग्धाभिषेक, 21 डमरुदलों की गूंज से शिवमय होगी काशी

500 किलो फूलों से सजेगा दशाश्वमेध घाट, बेटियां करेंगी महाआरती का नेतृत्व; 36 वर्षों की परंपरा के साथ गंगोत्री सेवा समिति मनाएगी देव दीपावली

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह



वाराणसी। महादेव की नगरी काशी में देव दीपावली का महापर्व इस वर्ष भी श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास के साथ भव्य रूप में मनाया जाएगा। प्राचीन दशाश्वमेध घाट पर आयोजित होने वाले देव दीपावली महोत्सव में वैदिक मंत्रोच्चार, शंखनाद और डमरुओं की गूंज के बीच मां गंगा की भव्य महाआरती होगी। गंगोत्री सेवा समिति की ओर से आयोजित इस विशेष आयोजन में 151 लीटर दूध से मां गंगा का दुग्धाभिषेक किया जाएगा। वहीं, 21 डमरुदलों की सामूहिक प्रस्तुति काशी के वातावरण को शिवमय बनाएगी। गंगा की अविरलता और निर्मलता का संदेश देने के लिए पर्यावरण अनुकूल दीपदान भी किया जाएगा। समिति के संस्थापक अध्यक्ष पं. किशोरी रमण दुबे 'बाबू महाराज' एवं सचिव पं. दिनेश शंकर दुबे ने पत्रकार वार्ता में बताया कि गंगोत्री सेवा समिति अपनी 36 वर्षों पुरानी आध्यात्मिक एवं धार्मिक परंपरा को इस वर्ष भी पूरे विधि-विधान और भव्यता के साथ आगे बढ़ाएगी। देव दीपावली के अवसर पर दशाश्वमेध घाट को लगभग 500 किलो देशी और विदेशी फूलों से आकर्षक ढंग से सजाया जाएगा। घाट की भव्य सजावट और हजारों दीपों की रोशनी श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र होगी। इसके साथ ही घाट पर स्थापित मां गंगा की 108 किलो वजनी अष्टधातु की प्रतिमा भी श्रद्धालुओं के आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहेगी। इस वर्ष के आयोजन में सनातन परंपरा के साथ नारी शक्ति के सम्मान और सहभागिता का विशेष संदेश भी दिया जाएगा। सुमेरु पीठ के प्रमुख स्वामी नरेंद्रानंद सरस्वती की अध्यक्षता में होने वाले इस धार्मिक अनुष्ठान में महाआरती का नेतृत्व बेटियां ऋद्धि-सिद्धि के स्वरूप में करेंगी। यह पहल समाज में महिलाओं की भागीदारी, सम्मान और सशक्तिकरण का संदेश देगी। महाआरती के दौरान 21 बटुकों द्वारा सस्वर वैदिक मंत्रोच्चार किया जाएगा, जबकि 21 डमरुदलों की गूंज और शंखनाद से पूरा गंगा तट भक्तिमय हो उठेगा। मां गंगा के दुग्धाभिषेक, पूजन-अर्चन और दीपदान के साथ श्रद्धालु भक्ति एवं आध्यात्मिकता की अनूठी अनुभूति करेंगे। देव दीपावली के अवसर पर काशी का पौराणिक केदार घाट भी भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास से जगमगाएगा। यहां गंगोत्री सेवा समिति की ओर से पं. संदीप कुमार दुबे 'सोनू महाराज' के संयोजन में विशेष गंगा आरती और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सोनू महाराज ने बताया कि समिति की ओर से केदार घाट पर नियमित रूप से मां गंगा की आरती की जाती है, लेकिन देव दीपावली के अवसर पर इसे विशेष रूप दिया जाएगा। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच मां गंगा का पूजन-अर्चन, दीप प्रज्वलन और भव्य महाआरती संपन्न होगी। इसके बाद सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से मां गंगा की महिमा और सनातन संस्कृति की गौरवशाली परंपरा को प्रस्तुत किया जाएगा। धार्मिक अनुष्ठानों और महाआरती के उपरांत गीतकार कन्हैया दुबे 'केडी' के संयोजन में भव्य सांस्कृतिक संध्या का आयोजन होगा। इसमें भक्ति संगीत और विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से मां गंगा की महिमा, भगवान शिव की आराधना और काशी की समृद्ध आध्यात्मिक विरासत का गुणगान किया जाएगा। सांस्कृतिक संध्या का संचालन राजेश शुक्ला करेंगे। देव दीपावली के इस आयोजन में धार्मिक परंपरा, सांस्कृतिक विरासत, नारी शक्ति के सम्मान और पर्यावरण संरक्षण का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। गंगा तट पर दीपों की जगमगाहट, वैदिक मंत्रों की स्वर लहरियां और डमरुओं का निनाद काशी की प्राचीन आध्यात्मिक पहचान को एक बार फिर भव्य रूप में प्रस्तुत करेगा। आयोजन को लेकर समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए विशेष व्यवस्थाएं की जाएंगी। घाटों पर साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था और पूजा-अर्चना के लिए आवश्यक इंतजाम सुनिश्चित किए जाएंगे। श्रद्धालुओं से अपील की गई है कि वे गंगा की स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करें और दीपदान के दौरान पर्यावरण के अनुकूल सामग्री का ही उपयोग करें। आयोजन में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों, धमार्चार्यों और देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। यह पर्व काशी की प्राचीन धार्मिक परंपराओं, सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिक पहचान को नई ऊर्जा प्रदान करने के साथ ही देश-दुनिया में काशी की विशिष्ट पहचान को और मजबूत करेगा।

बारात में डांस को लेकर दो पक्षों में खूनी संघर्ष, चले ईंट-पत्थर

बीच-बचाव करने पहुंचे पड़ोसियों समेत कई लोग घायल, निजी अस्पताल में चल रहा उपचार

वेलकम इंडिया संवाददाता



अहमदगढ़/बुलंदशहर। अहमदगढ़ कस्बे में बारात के दौरान डांस करने को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। देखते ही देखते कहासुनी ने मारपीट का रूप ले लिया। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच जमकर ईंट-पत्थर चले, जिसमें बीच-बचाव करने पहुंचे पड़ोसियों समेत कई लोग घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार, राकेश उर्फ भोला की बेटी की बारात अनूपशहर थाना क्षेत्र के गांव मलखपुर से मेरठ-बदायूं मार्ग होते हुए अहमदगढ़ पहुंची थी। बारात जब बाल्मिक चौराहे पर पहुंची तो डांस करने को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और दोनों पक्षों में मारपीट होने लगी। इस दौरान नीरज पुत्र गिरिराज सिंह, विजय, गिरिराज सिंह, जितेश पुत्र गिरिराज सिंह, कृष्ण पुत्र गिरिराज सिंह और सूरज पुत्र छोटे सिंह ने बीच-बचाव करने का प्रयास किया। आरोप है कि इसी दौरान बारातियों ने पड़ोसियों पर ईंट-पत्थर फेंकने शुरू कर दिए, जिससे कई लोग घायल हो गए। घटना में घायल लोगों को अहमदगढ़ के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है। सूचना मिलने पर अहमदगढ़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लेते हुए स्थिति को संभाला। थाने के कार्यवाहक एसएसआई रोबिन सिंह ने बताया कि फिलहाल स्थिति सामान्य है। मामले में दोनों पक्षों के लोगों को गिरफ्तार कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

कार्तिक पूर्णिमा पर गंगा घाटों का एसडीएम और सीओ ने किया संयुक्त निरीक्षण

कर्णवास, राजघाट और गांधीघाट पर सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण व यातायात व्यवस्था का लिया जायजा, पुलिसकर्मियों को सतर्कता बरतने के निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता



डिबाई/बुलंदशहर। कार्तिक पूर्णिमा गंगा स्नान पर्व को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से उपजिलाधिकारी डिबाई राकेश कुमार मौर्य एवं क्षेत्राधिकारी डिबाई मधूप कुमार सिंह ने डिबाई और नरौरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले प्रमुख गंगा घाटों का संयुक्त स्थलीय निरीक्षण किया। अधिकारियों ने कर्णवास, राजघाट एवं गांधीघाट पहुंचकर सुरक्षा और प्रशासनिक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने गंगा घाटों पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधाओं, भीड़ नियंत्रण, यातायात प्रबंधन तथा कानून-व्यवस्था की स्थिति का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों और कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए घाटों पर सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को पूरी सतर्कता एवं मुस्तैदी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गंगा स्नान के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं बरती जाए। प्रशासन एवं पुलिस द्वारा कार्तिक पूर्णिमा पर्व पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुगम आवागमन और सुरक्षित गंगा स्नान सुनिश्चित कराने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाओं पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने घाटों पर आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिए कि स्नान के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न होने पाए तथा घाटों पर तैनात पुलिसकर्मी लगातार निगरानी बनाए रखें। भीड़भाड़ वाले स्थानों पर विशेष सतर्कता बरतने और आवश्यकतानुसार अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने कहा कि गंगा स्नान के लिए आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा प्रशासन की प्राथमिकता है। घाटों पर पर्याप्त पुलिसकर्मियों की मौजूदगी के साथ ही प्रमुख मार्गों और संपर्क रास्तों पर यातायात व्यवस्था सुचारु रखी जाए। वाहनों की पार्किंग निर्धारित स्थानों पर कराई जाए, जिससे जाम की स्थिति उत्पन्न न हो। इसके अलावा महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखने तथा किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने को कहा गया। प्रशासन ने श्रद्धालुओं से भी अपील की कि वे निर्धारित स्नान स्थलों का ही उपयोग करें, गहरे पानी में जाने से बचें और पुलिसकर्मियों द्वारा दिए गए निदेशों का पालन करें। किसी भी संदिग्ध गतिविधि या परेशानी की सूचना तत्काल पुलिस को दें। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि पर्व के दौरान शांति, सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहेगा।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म और ब्लैकमेलिंग करने वाले को 10 साल की कैद

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। शादी का झांसा देकर युवती के साथ दुष्कर्म करने और बाद में उसकी फोटो व वीडियो वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करने के मामले में न्यायालय ने दोषी को 10 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। एडीजे/एफटीसी-02 न्यायालय ने आरोपी अनुज पुत्र ब्रह्मसिंह निवासी सिकंदराबाद को दोषी करार देते हुए 10 वर्ष के कारावास के साथ 56,500 रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। पुलिस की प्रभावी पैरवी और ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत की गई कार्रवाई के परिणामस्वरूप मामले में दोषसिद्धि हुई है। पुलिस के अनुसार, यह मामला 8 मार्च 2025 को सिकंदराबाद थाने में दर्ज किया गया था। आरोप था कि अनुज ने युवती को शादी करने का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद आरोपी युवती की फोटो और वीडियो वायरल करने की धमकी देकर उसे ब्लैकमेल करने लगा। धमकियों और ब्लैकमेलिंग से परेशान होकर पीड़िता की ओर से पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर विवेचना पूरी की और साक्ष्यों के आधार पर न्यायालय में आरोपपत्र दाखिल किया। मामले की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से प्रस्तुत साक्ष्यों और प्रभावी पैरवी के आधार पर न्यायालय ने आरोपी को दोषी पाया। सोमवार को न्यायाधीश मनोज कुमार ने फैसला सुनाते हुए अनुज को 10 वर्ष के कारावास की सजा सुनाई। इसके साथ ही उस पर 56,500 रुपये का अर्थदंड भी लगाया। अभियोजन पक्ष की ओर से देवेंद्र सिंह माहुर ने न्यायालय में पैरवी की। वहीं, पुलिस की ओर से ऑपरेशन कन्विक्शन के अंतर्गत गंभीर अपराधों में प्रभावी पैरवी कर आरोपियों को सजा दिलाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत इस मामले की लगातार निगरानी की गई।

अज्ञात मृतकों की आत्मा की शान्ति के लिए सैकड़ों दीप गंगा में प्रवाहित कर राष्ट्र चेतना मिशन ने किया दीप दान

वेलकम इंडिया संवाददाता



अनूपशहर। सामाजिक संस्था राष्ट्र चेतना मिशन द्वारा वर्ष भर में अन्तिम संस्कार किए गए सैकड़ों लावारिस एवं अज्ञात मृतकों की आत्मा की शान्ति हेतु संगठन के दर्जनों कार्यकताओं ने अनूपशहर गंगा घाट पर सैकड़ों दीप गंगा में समर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। सोमवार को कार्तिक पूर्णिमा की पूर्व संध्या के अवसर पर बक्सटरगंज गंगा घाट पर राष्ट्र चेतना मिशन द्वारा विशाल दीप दान कार्यक्रम आयोजित किया गया। संबोधन करते हुए संस्था के अध्यक्ष हेमन्त सिंह ने कहा कि पूरे जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में मिलने वाले अज्ञात और लावारिस शवों की शिनाख्त नहीं हो पाने पर संगठन के कार्यकताओं द्वारा ही श्मशान घाट पर विधिवत सम्मान पूर्वक अंतिम संस्कार किया जाता है। संस्था के अन्तिम संस्कार सेवा प्रमुख अनिल गर्ग ने कहा कि हर महीने अनूपशहर गंगा जी में सभी का सामूहिक अस्थि विसर्जन करते हैं तथा हर वर्ष कार्तिक पूर्णिमा की पूर्व संध्या पर समस्त अज्ञात मृतकों को मोक्ष प्राप्ति की प्रार्थना के साथ विशाल दीप दान कार्यक्रम किया जाता है। राष्ट्र चेतना मिशन पदाधिकारियों ने बताया कि पिछले वर्ष की कार्तिक पूर्णिमा के उपरांत इस बार के पर्व तक भी संस्था द्वारा बुलंदशहर जिले भर के लगभग ढाई सौ अज्ञात व लावारिस लोगों का दाह संस्कार किया गया है, जिनके पुण्य स्मृति में 251 दीप जलाकर गंगा में प्रवाहित किये गए हैं। वरिष्ठ पुरोहित सौरभ गौड़ ने पूर्ण विधि-विधान से वैदिक मंत्रोच्चार के साथ कार्यक्रम संपन्न कराया। कार्यक्रम में राष्ट्र चेतना मिशन के अध्यक्ष हेमन्त सिंह, अन्तिम संस्कार सेवा प्रमुख अनिल गर्ग, जिला संयोजक व्यापार प्रकोष्ठ न्यू गुप्ता, आरएसएस नगर संघचालक सुनील गुप्ता, डॉ मुकेश गुप्ता, अभय गर्ग, डॉ अखण्ड प्रताप सिंह, डॉ एस कुमार, अर्पित जैन, डॉ मोहित माधव, कृष्ण मिश्रा, विवेक कुमार दौजी, यशाग्र भारद्वाज, चित्रांशु गौड़, अनिल कुमार गर्ग, देवेश शर्मा, पुलकित बंसल, हिमांशु बाल्मीकि, अरुण राजपूत, गुरुदत्त सैन, मुकुल कुमार, शिवम चौधरी आदि उपस्थित रहे।

चलती बस से कूदा चालक, इलाज के दौरान मौत

बारात लेकर दिल्ली जा रही बस अनियंत्रित होकर झाड़ियों में घुसी

वेलकम इंडिया संवाददाता



रामघाट (बुलंदशहर)। रामघाट स्थित माधव फार्म हाउस से बारात लेकर दिल्ली जा रही बस रास्ते में अनियंत्रित होकर सड़क किनारे झाड़ियों में जा घुसी। हादसे में बस चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। चालक की मौत की खबर मिलते ही बारात की खुशियां मातम में बदल गईं।

जानकारी के अनुसार, बारातियों से भरी बस दिल्ली जा रही थी। इसी दौरान अचानक बस अनियंत्रित हो गई। बताया जाता है कि बस को संभालने के प्रयास में चालक चलती बस से नीचे कूद गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इसके बाद बस सड़क किनारे झाड़ियों में जा घुसी। हादसे में बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और शीशे भी टूट गए। गनीमत रही कि बस में सवार अन्य बारातियों को गंभीर चोटें नहीं आईं। घायल चालक को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। चालक की मौत से उसके परिवार में कोहराम मचा हुआ है। बताया जा रहा है कि वह परिवार का इकलौता कमाने वाला सदस्य था। सूचना मिलने पर पुलिस ने मामले की जानकारी जुटाते हुए हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। बस के अनियंत्रित होने के पीछे तकनीकी खराबी थी या कोई अन्य कारण, इसका पता पुलिस जांच के बाद ही चल सकेगा। इस दर्दनाक हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त बस का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। हादसे के बाद बारात में शामिल लोगों और ग्रामीणों में शोक की लहर दौड़ गई। परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है।

विधानसभा चुनाव-2027 की तैयारियां तेज, धनबल रोकने के लिए व्यय संवेदनशील क्षेत्रों का होगा चिन्हांकन

जिलाधिकारी कुमार हर्ष ने अधिकारियों को दिए निर्देश, इंटर कॉलेजों, महाविद्यालयों, उद्योगों और श्रमिक स्थलों पर लगेंगे मतदाता पंजीकरण शिविर

वेलकम इंडिया संवाददाता





बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2027 को स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने अभी से तैयारियां तेज कर दी हैं। निर्वाचन प्रक्रिया को प्रभावित करने वाली धनबल, अवैध लेनदेन और अन्य गैरकानूनी गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण लगाने के उद्देश्य से व्यय संवेदनशील निर्वाचन क्षेत्रों (ईएससी) के चिन्हांकन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसी क्रम में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी कुमार हर्ष की अध्यक्षता में संबंधित अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में निर्वाचन के दौरान व्यय पर निगरानी रखने, संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान करने और अंतिम प्रस्ताव तैयार करने को लेकर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि आगामी विधानसभा निर्वाचन को निष्पक्ष एवं पारदर्शी बनाने के लिए सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ समय रहते तैयारियां पूरी करनी होंगी। निर्वाचन के दौरान धनबल और अवैध गतिविधियों के माध्यम से मतदाताओं को प्रभावित करने की किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसके लिए ऐसे क्षेत्रों की पहचान करना जरूरी है, जहां पूर्व के चुनावों में अनियमितताओं, संदिग्ध वित्तीय गतिविधियों अथवा चुनावी खर्च से संबंधित शिकायतें सामने आई हों। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि व्यय संवेदनशील निर्वाचन क्षेत्रों का चिन्हांकन निर्धारित मानकों के अनुरूप पूरी गंभीरता और तथ्यों के आधार पर किया जाए। इस संबंध में केवल औपचारिक कार्रवाई करने के बजाय क्षेत्रवार वास्तविक स्थिति का आकलन किया जाए। पूर्व में संपन्न हुए निर्वाचन के अनुभवों, प्राप्त शिकायतों, संदिग्ध वित्तीय लेनदेन और अन्य प्रासंगिक जानकारियों का अध्ययन करते हुए तथ्यपरक प्रस्ताव तैयार किए जाएं, ताकि निर्वाचन आयोग को भेजे जाने वाले अंतिम प्रस्ताव में किसी प्रकार की त्रुटि न रहे। जिलाधिकारी कुमार हर्ष ने कहा कि चुनाव के दौरान मतदाताओं को प्रलोभन देने, अवैध धन के इस्तेमाल तथा अन्य अनुचित गतिविधियों पर रोक लगाना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। इसके लिए संबंधित अधिकारियों को अभी से निगरानी व्यवस्था मजबूत करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान के बाद वहां विशेष सतर्कता बरती जाए और संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया जाए। निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान किसी भी प्रकार की वित्तीय अनियमितता अथवा आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन की आशंका को गंभीरता से लेते हुए समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। बैठक में आगामी निर्वाचन के लिए मतदाता सूची को अधिक समावेशी और अद्यतन बनाने पर भी विशेष जोर दिया गया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि जिले में अधिक से अधिक पात्र नागरिकों को मतदाता सूची से जोड़ने के लिए व्यापक अभियान चलाया जाए। इसके तहत इंटर कॉलेजों, महाविद्यालयों, औद्योगिक प्रतिष्ठानों, लेबर अड्डों तथा स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं के बीच विशेष मतदाता पंजीकरण शिविर आयोजित किए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत ऐसे युवा, जो निर्धारित आयु पूरी कर चुके हैं अथवा मतदाता बनने की पात्रता रखते हैं, उन्हें पंजीकरण के लिए जागरूक किया जाए। इसी प्रकार औद्योगिक क्षेत्रों और श्रमिक स्थलों पर काम करने वाले पात्र नागरिकों को भी मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए प्रेरित किया जाए। स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं के बीच शिविर लगाकर उन्हें मतदाता पंजीकरण की प्रक्रिया की जानकारी दी जाए, जिससे कोई भी पात्र नागरिक अपने मताधिकार से वंचित न रहे।

जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रस्तावित शिविरों की कार्ययोजना तैयार कर उनका प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। मतदाता पंजीकरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ ही आवेदन प्रक्रिया को सरल और सुलभ बनाया जाए, ताकि अधिक से अधिक पात्र नागरिक निर्वाचन प्रक्रिया का हिस्सा बन सकें। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) अभिषेक कुमार सिंह, एसपी सिटी अभिषेक प्रताप सिंह अजेय सहित निर्वाचन से जुड़े विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि निर्वाचन-2027 से संबंधित सभी तैयारियों को गंभीरता से लेते हुए निर्धारित समयसीमा में पूरा किया जाए।

सुरेविन इंटरनेशनल स्कूल में 'स्पर्धा 2026' का भव्य आयोजन, पाँच दिवसीय इंटर स्कूल स्पोर्ट्स फेस्टिवल में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

अनिल वशिष्ठ





मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। सुरेविन इंटरनेशनल स्कूल, निवाड़ी, मोदीनगर में आयोजित पाँच दिवसीय इंटर स्कूल स्पोर्ट्स फेस्टिवल 'स्पर्धा 2026' का समापन उत्साह, उमंग, शानदार खेल प्रदर्शन एवं गौरवपूर्ण उपलब्धियों के साथ हुआ। इस खेल महोत्सव में विभिन्न विद्यालयों के खिलाड़ियों ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया और अपनी प्रतिभा, अनुशासन, आत्मविश्वास तथा खेल भावना से आयोजन को यादगार बना दिया। पाँच दिनों तक विद्यालय परिसर खेल उत्साह, प्रतिस्पर्धा एवं खिलाड़ियों के जोश से सराबोर रहा।

स्पर्धा के प्रथम दिन कराटे प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें लगभग 90 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में एकलव्य पब्लिक स्कूल ने ओवरऑल चैंपियनशिप तथा विजडम अकादमी ने रनर-अप का खिताब प्राप्त किया।

दूसरे दिन खो-खो प्रतियोगिता में कुल आठ टीमों ने प्रतिभाग किया। अंडर-17 बॉयज वर्ग में लीलावती रामगोपाल सरस्वती विद्या मंदिर, मुरादनगर ने प्रथम तथा सुरेविन इंटरनेशनल स्कूल ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। अंडर-17 गर्ल्स वर्ग में सुरेविन इंटरनेशनल स्कूल विजेता रहा। अंडर-14 बॉयज वर्ग में होली एंजल स्कूल ने प्रथम तथा सुरेविन इंटरनेशनल स्कूल ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। अंडर-14 गर्ल्स वर्ग में होली एंजल स्कूल, साहिबाबाद ने प्रथम एवं देहरादून पब्लिक स्कूल, संजय नगर ने द्वितीय स्थान हासिल किया।

तीसरे दिन जूडो, स्केटिंग एवं टेबल टेनिस प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जूडो में विभिन्न विद्यालयों के 68 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया, जबकि स्केटिंग में लगभग 50 खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। जूडो में ग्रीनलैंड पब्लिक स्कूल, दुहाई ने ओवरऑल चैंपियनशिप तथा के.एन. ग्लोबल स्कूल, मोदीनगर ने रनर-अप का स्थान प्राप्त किया। टेबल टेनिस प्रतियोगिता में दराअददूम पब्लिक स्कूल ने ओवरऑल चैंपियनशिप हासिल की। चौथे दिन बास्केटबॉल एवं फुटबॉल प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। बास्केटबॉल में 11 टीमों ने प्रतिभाग किया, जबकि फुटबॉल प्रतियोगिता में सात टीमों ने अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। सभी मुकाबले उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुए। फुटबॉल में लीग मुकाबलों के बाद फाइनल मैचों के लिए टीमों ने अपनी जगह सुनिश्चित की। स्पर्धा के अंतिम दिन फुटबॉल प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले अंडर-14 बॉयज एवं अंडर-17 बॉयज वर्ग में आयोजित हुए। दोनों वर्गों में मेजबान विद्यालय सुरेविन इंटरनेशनल स्कूल की टीमों ने शानदार खेल प्रदर्शन करते हुए चैंपियनशिप अपने नाम की। अंडर-17 बॉयज वर्ग में सुरेविन इंटरनेशनल स्कूल ने सेंट्रल स्कूल, मोदीनगर को पराजित कर विजेता का खिताब हासिल किया, वहीं अंडर-14 बॉयज वर्ग में सुरेविन इंटरनेशनल स्कूल ने होली एंजल स्कूल, साहिबाबाद को हराकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। दोनों फाइनल मुकाबलों में मेजबान विद्यालय की शानदार जीत ने आयोजन के समापन को विशेष गौरव एवं उत्साह से भर दिया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि तुषार गुप्ता, ईशान गुप्ता, डॉ. शिखा दरबारी एवं डॉ. रीता वार्ष्णेय ने विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया। विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती डॉक्टर सरिता सिंधु ने खिलाड़ियों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए उन्हें निरंतर मेहनत, अनुशासन एवं समर्पण के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में विद्यालय के खेल विभाग, शिक्षक-प्रशिक्षकों, निर्णायकों, सहयोगी स्टाफ एवं आयोजन समिति का महत्वपूर्ण योगदान रहा। प्रतियोगिताओं का सुव्यवस्थित संचालन, समन्वय, अनुशासन एवं पुरस्कार वितरण समारोह सभी सदस्यों के सामूहिक प्रयास और समर्पण से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

विद्यालय के विभागाध्यक्ष अभिषेक चौधरी ने सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों, खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, निर्णायकों, शिक्षकों, विद्यालय प्रबंधन एवं आयोजन में सहयोग देने वाले सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि खेल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का अभिन्न अंग हैं। खेलों के माध्यम से बच्चों में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, अनुशासन, टीमवर्क, धैर्य एवं सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित होता है। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा पहचानने और जीवन में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करते हैं।'स्पर्धा 2026' का समापन जीत, उत्साह, उपलब्धियों एवं अविस्मरणीय पलों के साथ हुआ। यह पाँच दिवसीय खेल महोत्सव सुरेविन इंटरनेशनल स्कूल की उत्कृष्ट खेल संस्कृति, विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास एवं स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करने की प्रतिबद्धता का प्रतीक बनकर सामने आया।

भारत बौद्धिइक्स परीक्षा में मोदीनगर के महाविद्यालयों के विद्यार्थियों में अजब उत्साह



वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। भारत बौद्धिइक्स परीक्षा 2027 का आयोजन विद्या भारती उच्च शिक्षा द्वारा देश भर में आयोजित किया गया। इसके अंतर्गत मोदीनगर के उच्च शिक्षा संस्थानों में मुल्तानीमल मोदी महाविद्यालय, गिन्नी देवी, के एन मोदी इत्यादि संस्थानों से विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया।

लगभग 200 विद्यार्थियों ने फॉर्म भरा लेकिन जिसके लिए 90%उपस्थिति रही। इस परीक्षा में भारतीय संस्कृति, विज्ञान, वाणिज्य, चिकित्सा, खगोल, कला, आदि विधाओं के प्रश्न मुख्य रूप से पूछे गए थे। इस परीक्षा के प्रथम टॉपर को एक लाख रुपए , उप टापर्स को 50-50 हजार, सेंटर टापर्स को 2500 धनराशि का इनाम दिया जाएगा। मुल्तानीमल मोदी महाविद्यालय की 107 विद्यार्थियों का रिजल्ट परीक्षा बाद ही शाम तक तैयार कर केन्द्रीय संस्थान 'विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान' को प्रेषित कर दिया गया है।

इस परीक्षा के लिए देश व प्रदेश के उच्च शिक्षा विभागों , विश्वविद्यालयों, का भी सकारात्मक सहयोग प्राप्त हुआ। मुल्तानीमल मोदी महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो (डॉ) वंदना शर्मा ने विद्यार्थियों को व आयोजकों को सफल परीक्षा के लिए बधाई दी। इस परीक्षा में डॉ राज कुमार ने नोडल अधिकारी के पद पर कार्य किया। परीक्षा नियंत्रक/ जिला कॉर्डिनेटर डॉ अमर सिंह कश्यप ने प्रबंधक महोदय माननीय डॉ डी के मोदी मुल्तानीमल मोदी महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर डॉ वंदना शर्मा , महाविद्यालय प्रशासन, सभी सहयोग करने वाले शिक्षकों / वालंटियर्स तथा गिन्नी देवी महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो डॉ पूनम शर्मा एवम्-नोडल अधिकारी डॉ श्वेता त्यागी को सहयोग हेतु धन्यवाद ज्ञापित किया।

नाबालिगों के वाहन चलाने पर अभिभावकों को हो सकती है तीन माह की जेल और 25 हजार रुपये जुमार्ना







वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। सड़क सुरक्षा पखवाड़ा के अंतर्गत विद्यावती मुकुंद लाल गर्ल्स कॉलेज में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में परिवहन विभाग के यात्री कर अधिकारी आशुतोष उपाध्याय एवं राजेश्वर कुशवाहा ने छात्राओं को यातायात नियमों की जानकारी दी। प्राचार्या प्रो. रचना प्रसाद ने छात्राओं से स्वयं नियमों का पालन करने और परिवार व समाज को जागरूक करने की अपील की। रोड सेफ्टी क्लब प्रभारी डॉ. गुड़िया बानो ने भी सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता को जरूरी बताया। अधिकारियों ने हेलमेट, सीट बेल्ट, यातायात संकेतों और ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने की प्रक्रिया समझाई। उन्होंने बताया कि 18 वर्ष से कम आयु में वाहन चलाना अपराध है। ऐसा पाए जाने पर अभिभावक या वाहन स्वामी को तीन माह की जेल और 25 हजार रुपये तक जुमार्ना हो सकता है। वाहन का पंजीकरण 12 माह के लिए निरस्त करने तथा नाबालिग को 25 वर्ष की आयु तक लाइसेंस के लिए अपात्र करने का भी प्रावधान है।

जिला करते टूनार्मेंट का आयोजन किया



वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। जिला करते टूनार्मेंट का आयोजन किया गया । जिसमें मुरादनगर एवं मोदीनगर के छात्र और छात्राओं ने प्रतिभाग किया। मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया इस मौके पर जिसमें अतिथि विवेक सिंघल, प्रशांत भारद्वाज , पंकज कंसल, सपना अग्रवाल , विकास छेत्री, एवं स्कूल की प्रधानाचार्या श्रीमती किरन नेहरा, अजित का एकेडमी के अध्यक्ष कुनाल ठाकुर द्वारा सम्मानित किया गया। यह प्रतियोगिता 2027 जो अयोध्या में राष्ट्रीय खेल चयन के लिए आयोजित की गई है। जिसमें भव्या शर्मा,परी,हरीश,अमिशा, राजश्री, युवराज, शिवांगी, अंशी, लवली, नेहा शुभांशु , भविष्य, महेश, दिव्यांश तोमर, राधिका, विधुर शर्मा , इन सभी छात्रों ने गोल्ड, सिल्वर, bronze पदक मेडल प्राप्त किए। इस आयोजन को मुख्य रेफरी गोविंद छेत्री, जयंतीका छेत्री , शुभाशु तोमर , सुबोध गुप्ता, अंशी , द्वारा इस कार्यक्रम समापन हुआ।

सिलेंडर हादसे में पिता-पुत्र की मौत से दहल उठा दयानतपुर, विधायक ने जताया शोक



मृतक



वेलकम इंडिया संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। जेवर विधानसभा क्षेत्र के दयानतपुर गांव में गैस सिलेंडर लीकेज से हुए दर्दनाक हादसे में पिता वीरपाल सिंह और उनके 24 वर्षीय बेटे अभिषेक सिंह की मौत से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है। घटना की जानकारी मिलते ही जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह पीड़ित परिवार के घर पहुंचे और शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया। उन्होंने कहा कि इस दुख की घड़ी में परिवार को अकेला नहीं छोड़ा जाएगा और हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। हादसे में अभिषेक की पत्नी काजल देवी और उनका दो वर्षीय बेटा आदित्य भी घायल हुए हैं, जिनका उपचार कराया जा रहा है। परिवार में दो छोटे बच्चों के भविष्य और आजीविका को लेकर चिंता बनी हुई है। वहीं एक दिसंबर को वीरपाल सिंह की बेटी की शादी होनी थी, लेकिन हादसे ने परिवार की खुशियों को मातम में बदल दिया। विधायक धीरेन्द्र सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर मृतकों के आश्रितों को मुख्यमंत्री राहत कोष से आर्थिक सहायता देने का अनुरोध किया है। साथ ही घायलों के समुचित उपचार और परिवार को आवश्यक मदद दिलाने के लिए संबंधित अधिकारियों से प्रयास करने का भरोसा दिया।

ढोल-दमाऊ की थाप पर थिरके लोग, इगास और बग्वाल का उत्सव धूमधाम से मनाया



वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। सिद्धार्थ विहार स्थित एसजी शिखर हाइट्स सोसाइटी में सोमवार को उत्तराखंड दिवस, इगास और बग्वाल का उत्सव बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर पूरा परिसर उत्तराखंड की लोकसंस्कृति, पारंपरिक वेशभूषा, लोकगीतों और ढोल-दमाऊ की गूंज से सराबोर नजर आया। सोसाइटी के बच्चों, महिलाओं, युवाओं और वरिष्ठ नागरिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी सांस्कृतिक विरासत की खूबसूरत झलक पेश की। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और पूजा-अर्चना के साथ हुआ। इस दौरान उत्तराखंड राज्य आंदोलन के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके बलिदान को नमन किया गया। आयोजन का उद्देश्य नई पीढ़ी को अपनी जड़ों और परंपराओं से जोड़ के साथ सामाजिक एकता और भाईचारे को मजबूत करना रहा। बच्चों के लिए उत्तराखंड के इतिहास, संस्कृति और सामान्य ज्ञान पर आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में उत्तराखंड के पारंपरिक लोकगीतों और लोकनृत्यों ने सभी का मन मोह लिया। उत्सव का मुख्य आकर्षण ढोल-दमाऊ की थाप पर सामूहिक नृत्य रहा।

प्रोजेक्ट अलंकार के अंतर्गत महर्षि दयानंद इंटर कॉलेज में निर्माण कार्यों का भव्य शिलान्यास

वेलकम इंडिया संवाददाता



मोदीनगर। महर्षि दयानंद इंटर कॉलेज, गोविंदपुरी में सोमवार को शासन की महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट अलंकार योजना के अंतर्गत विद्यालय में प्रस्तावित विकास एवं निर्माण कार्यों का भव्य शिलान्यास क्षेत्रीय विधायक डॉ. मंजू शिवाच के कर-कमलों द्वारा विधिवत हवन-पूजन के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष विनोद वैशाली पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा दिनेश सिंघल आर्य समाज से विश्वबंधु, खेतराम सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य व्यक्ति, जनप्रतिनिधि, विद्यालय प्रबंध समिति के पदाधिकारी, प्रधानाचार्य एवं समस्त शिक्षक-कर्मचारी उपस्थित रहे। वैदिक मंत्रोच्चार एवं हवन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ तथा अतिथियों ने निर्माण कार्यों के सफल एवं गुणवत्तापूर्ण संपादन की कामना की। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि प्रोजेक्ट अलंकार योजना के माध्यम से विद्यालयों में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार एवं शैक्षिक वातावरण को बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। महर्षि दयानंद इंटर कॉलेज में प्रारंभ होने जा रहे निर्माण कार्य विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षिक सुविधाएं, अनुकूल अध्ययन वातावरण एवं आधुनिक आधारभूत संसाधन उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इस अवसर पर प्रधानाचार्य डॉक्टर अंशु सिंह ने विधायक डॉ. मंजू शिवाजी के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया गया, जिनके सहयोग एवं प्रयासों से विद्यालय के विकास को नई गति मिली है। साथ ही शासन एवं शिक्षा विभाग के प्रति भी आभार प्रकट किया गया। विद्यालय की प्रधानाचार्य डॉ. अंशु सिंह ने सभी अतिथियों का स्वागत एवं आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यालय का उद्देश्य विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ बेहतर शैक्षिक वातावरण और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना है। प्रोजेक्ट अलंकार के अंतर्गत प्रारंभ हो रहे ये निर्माण कार्य विद्यालय के विकास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होंगे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इन सुविधाओं से विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा और विद्यालय की शैक्षिक एवं भौतिक संरचना और अधिक सुदृढ़ होगी। कार्यक्रम में विद्यालय के समस्त शिक्षक रवि भूषण गौतम राजीब मैतरे सतीश कुमार हरीश बाबू अनीता ढाका विजय शंकर सिंह विजय कुमार कल्पना वर्मा सौरभ त्यागी एवं अन्य शिक्षक,कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। संपूर्ण आयोजन हर्षोल्लास, उत्साह एवं सकारात्मक वातावरण में संपन्न हुआ। महर्षि दयानंद इंटर कॉलेज परिवार ने इस विकासात्मक पहल को विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

मोहन नगर में मुख्यमंत्री स्कूल सुरक्षा कार्यक्रम के तहत मेगा आयोजन, हजारों विद्यार्थियों ने लिया हिस्सा



वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। आपदा कभी बताकर नहीं आती, ऐसे में उससे बचाव की तैयारी और सही समय पर सही निर्णय लेना बेहद जरूरी है। इसी उद्देश्य से मोहन नगर स्थित आईटीएस संस्थान में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से मुख्यमंत्री स्कूल सुरक्षा कार्यक्रम (चरण-3) के अंतर्गत भव्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के तत्वावधान में हुए इस आयोजन में हजारों विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों और शिक्षकों को प्राकृतिक एवं मानवजनित आपदाओं से बचाव के तरीके बताए और व्यावहारिक अभ्यास के माध्यम से सुरक्षित रहने का प्रशिक्षण दिया। आईटीएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स के उपाध्यक्ष अर्पित चड्ढा ने कहा कि आपदा प्रबंधन के लिए जागरूकता, तैयारी और समय पर सही कदम उठाना जरूरी है। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में सतर्कता, जिम्मेदारी और दूसरों की मदद करने की भावना विकसित करते हैं।

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर तेज रफ्तार कार का कहर, एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत

वेलकम इंडिया संवाददाता



मृतक



गाजियाबाद। दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर सोमवार दोपहर तेज रफ्तार कार ने एक ही परिवार की खुशियां उजाड़ दीं। क्रॉसिंग रिपब्लिक थाना क्षेत्र में बागू के सामने सड़क पार कर रहे तीन लोगों को बेकाबू कार ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में पति-पत्नी और उनके बेटे की दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों की पहचान मथुरा निवासी हीरालाल, उनकी पत्नी राजकुमारी और बेटे तेजवीर के रूप में हुई है। बताया गया कि परिवार 21 नवंबर को गाजियाबाद में एक शादी समारोह में शामिल होने आया था। सोमवार दोपहर एक्सप्रेसवे पार करते समय तेज रफ्तार कार ने तीनों को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही क्रॉसिंग रिपब्लिक थाना पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे के चलते एनएच-9 पर वाहनों की लंबी कतार लग गई और यातायात प्रभावित हुआ। पुलिस ने शवों को हटवाकर जाम खुलवाया तथा फरार कार चालक की तलाश शुरू कर दी है।

बूथ-बूथ तक पहुंचेगा भाजपा का मतदाता जोड़ो अभियान

साहिबाबाद विधानसभा के मंडलों में अभियान की प्रगति परखी

वेलकम इंडिया संवाददाता



गाजियाबाद। मतदाता जोड़ो अभियान को प्रभावी बनाने के लिए भाजपा ने संगठनात्मक स्तर पर सक्रियता बढ़ा दी है। इसी क्रम में सोमवार को महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल के नेतृत्व में नेहरू नगर स्थित महानगर कार्यालय पर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इसमें बुलंदशहर के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं साहिबाबाद विधानसभा प्रभारी अनिल शिशोदिया ने विशेष रूप से पहुंचकर मंडलों में चल रहे अभियान की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में बूथ स्तर तक अभियान को गति देने और पात्र मतदाताओं के नाम सूची में जुड़वाने की रणनीति पर चर्चा हुई। बैठक में साहिबाबाद विधानसभा के अंतर्गत आने वाले मंडलों के अध्यक्षों, प्रभारियों और विधानसभा बीएलए-1 से अभियान की स्थिति की जानकारी ली गई। महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने कहा कि प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल कराना संगठन की महत्वपूर्ण प्राथमिकता है। इसके लिए कार्यकर्ता केवल औपचारिकता न निभाएं, बल्कि बूथ स्तर पर सक्रियता और आपसी समन्वय के साथ जिम्मेदारी निभाएं। विधानसभा प्रभारी अनिल शिशोदिया ने कहा कि अभियान की सफलता के लिए मंडल अध्यक्षों, मंडल प्रभारियों और बीएलए-1 के बीच बेहतर तालमेल जरूरी है।

पुलिस झंडा दिवस पर पुलिस आयुक्त ने किया ध्वजारोहण, जवानों को कर्तव्यनिष्ठा की दिलाई शपथ

पुलिस ध्वज की गरिमा और सम्मान बनाए रखने का लिया संकल्प








कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। पुलिस झंडा दिवस के अवसर पर सोमवार को कमिश्नरेट गाजियाबाद में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। रिजर्व पुलिस लाइन्स में पुलिस आयुक्त जे. रविंदर गौड़ ने ध्वजारोहण कर पुलिस ध्वज को सलामी दी।

इस दौरान उन्होंने पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश का संदेश पढ़कर सुनाया और अधिकारियों व कर्मचारियों को पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने पुलिस ध्वज की गरिमा और सम्मान बनाए रखने का आह्वान किया।

इस अवसर पर पुलिस उपायुक्त नगर धवल जायसवाल, अपर पुलिस उपायुक्त अपराध पीयूष कुमार सिंह, एसीपी कविनगर अभय राजेन्द्र डागा, एसीपी नन्दग्राम जियाउद्दीन अहमद सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

वहीं, पुलिस मुख्यालय पर अतिरिक्त पुलिस आयुक्त कानून-व्यवस्था एवं यातायात राजकरन नैय्यर ने भी ध्वजारोहण किया। उन्होंने पुलिस महानिदेशक का संदेश पढ़कर सुनाया तथा पुलिसकर्मियों को अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा और पुलिस ध्वज के सम्मान को सर्वोपरि रखने के लिए प्रेरित किया।

ऑपरेशन सवेरा: गाजियाबाद में 2 लाख से अधिक बुजुर्गों का सत्यापन, 8,537 की हो चुकी मौत

55,639 वरिष्ठ नागरिकों का सत्यापन अभी बाकी, पुलिस का अभियान रहेगा जारी







वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा, सहायता और उनकी समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए गाजियाबाद पुलिस द्वारा संचालित ऑपरेशन सवेरा के तहत विशेष सत्यापन अभियान चलाया गया।

पुलिस आयुक्त के निर्देशन में 23 अक्टूबर से 22 नवंबर तक कमिश्नरेट के सभी थाना क्षेत्रों में अभियान चलाकर बुजुर्गों की कुशलक्षेम की जानकारी जुटाई गई। पुलिस के अनुसार, वर्ष 2019 से अब तक ऑपरेशन सवेरा के तहत एसएसओ पोर्टल पर कुल 2,55,653 वरिष्ठ नागरिक पंजीकृत हैं। विशेष अभियान के दौरान इनमें से 2,00,014 का सत्यापन किया गया। सत्यापन में 1,40,671 वरिष्ठ नागरिक अपने घरों पर सकुशल मिले, जबकि 8,537 की मृत्यु हो चुकी है। वहीं, 50,806 वरिष्ठ नागरिक अन्य स्थानों पर रहने चले गए हैं।

23 नवंबर तक 55,639 वरिष्ठ नागरिकों का सत्यापन शेष है। पुलिस का कहना है कि शेष बुजुर्गों का सत्यापन कराने के लिए अभियान आगे भी जारी रहेगा।

वरिष्ठ नागरिकों की सहायता के लिए सभी थानों में वरिष्ठ नागरिक सेल स्थापित किए गए हैं। इनके माध्यम से बुजुर्गों की समस्याएं प्राथमिकता से सुनकर उनका समाधान कराया जा रहा है। इसके अलावा बीट पुलिस अधिकारी और बीट उपनिरीक्षक को भी समय-समय पर बुजुर्गों से संपर्क कर उनकी कुशलक्षेम जानने के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस का उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के साथ उनकी सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करना है।

शादी का झांसा देकर युवती का शोषण और गर्भपात कराने का आरोपी गिरफ्तार



वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। नंदग्राम थाना पुलिस ने शादी का झांसा देकर युवती से अनैतिक संबंध बनाने और गर्भपात कराने के मामले में वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, 22 नवंबर 2026 को पीड़िता की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया था।

मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने आरोपी नरेंद्र शर्मा पुत्र ब्रह्मप्रकाश शर्मा को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी मूल रूप से राजस्थान के बीकानेर स्थित उदयरामसर का रहने वाला है और वर्तमान में दिल्ली के कालकाजी थाना क्षेत्र के तुगलकाबाद की गली नंबर-15 में रह रहा था। पुलिस का कहना है कि आरोपी के खिलाफ अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

सूर्य घर योजना में लापरवाही पर सीडीओ सख्त, बैंकों को तीन दिन का अल्टीमेटम

एक सप्ताह में ऋण स्वीकृति और इसी माह नेट मीटरिंग के लंबित मामले निपटाने के निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता




गाजियाबाद। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की प्रगति तेज करने के लिए सोमवार को दुर्गावती मीटिंग हॉल में मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में बैंकों, विद्युत विभाग, यूपी नेडा और योजना के वेंडरों के प्रतिनिधि शामिल हुए। इस दौरान पंजाब नेशनल बैंक, इंडियन बैंक और यूनियन बैंक के प्रतिनिधियों के अनुपस्थित रहने पर सीडीओ ने नाराजगी जताई और संबंधित क्षेत्रीय प्रबंधकों को पत्र जारी करने के निर्देश दिए।

सीडीओ ने बैंकों को ऋण वितरण की लंबित फाइलें तीन दिन और ऋण स्वीकृति की फाइलें एक सप्ताह में निस्तारित करने का अल्टीमेटम दिया। विद्युत विभाग को निरीक्षण और नेट मीटरिंग के सभी लंबित मामले इसी माह पूरे करने के निर्देश दिए। वहीं वेंडरों को स्थापित सोलर संयंत्रों से संबंधित दस्तावेज इसी सप्ताह पोर्टल पर अपलोड करने को कहा। सीडीओ ने सभी विभागों को समन्वय बनाकर निर्धारित लक्ष्यों की शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

प्रदेशीय जूडो प्रतियोगिता में दमखम दिखाएंगे गाजियाबाद के चार खिलाड़ी



वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। पंडित दीनदयाल उपाध्याय सीनियर प्रदेशीय महिला एवं पुरुष जूडो प्रतियोगिता के लिए गाजियाबाद के चार खिलाड़ियों का चयन किया गया है। प्रतियोगिता का आयोजन 9 से 11 दिसंबर 2026 तक क्षेत्रीय खेल कार्यालय, लखनऊ में होगा। इसके लिए 23 नवंबर को महामाया स्पोर्ट्स स्टेडियम में जिला स्तरीय चयन ट्रायल आयोजित किया गया, जिसमें खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। चयनित खिलाड़ियों में महिला वर्ग से माही (63 किग्रा) तथा पुरुष वर्ग से अक्सा त्यागी (66 किग्रा), पवन (60 किग्रा) और ऋषभ गौड़ (81 किग्रा) शामिल हैं। सभी चयनित खिलाड़ी 25 नवंबर को कैलाश प्रकाश स्टेडियम, मेरठ में आयोजित मंडलीय चयन ट्रायल में प्रतिभाग करेंगे। इस अवसर पर क्रीड़ा अधिकारी राम मिलन ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए मंडलीय ट्रायल में बेहतर प्रदर्शन कर जनपद का नाम रोशन करने की उम्मीद जताई।

सहारा समतल में प्राधिकरण का बुलडोजर एक्शन, 24 करोड़ की जमीन कराई कब्जामुक्त

वेलकम इंडिया संवाददाता



ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के बादलपुर थाना क्षेत्र स्थित सहारा समतल में प्राधिकरण ने अवैध अतिक्रमण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए बुलडोजर चलाया। अभियान के दौरान अवैध रूप से बनाए गए मकानों और प्रॉपर्टी डीलरों की दुकानों को ध्वस्त कर करीब तीन एकड़ यानी 12 हजार वर्ग मीटर जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। प्राधिकरण के अनुसार, मुक्त कराई गई जमीन की अनुमानित कीमत करीब 24 करोड़ रुपये है।

कार्रवाई के दौरान कुछ लोगों ने विरोध करने का प्रयास किया, लेकिन भारी पुलिस बल की मौजूदगी में प्राधिकरण की टीम ने ध्वस्तीकरण अभियान पूरा किया। मौके पर कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात रहे। वहीं, शाहबेरी में एक जर्जर मकान को सील करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। प्राधिकरण की इस कार्रवाई से अवैध निर्माण करने वालों और भूमाफियाओं में हड़कंप मचा हुआ है।

मानवता के प्रति समर्पित होना चाहिए पत्रकारिता: जस्टिस सुधांशु धूलिया

- आईडब्ल्यूपीसी के 32वें स्थापना दिवस समारोह में पूर्व सुप्रीम कोर्ट न्यायाधीश ने पत्रकारों से कहा - सत्ता से सच बोलना पत्रकारिता की बुनियादी जिम्मेदारी

वेलकम इंडिया संवाददाता




नई दिल्ली। इंडियन विमेन्स प्रेस कॉर्प्स (आईडब्ल्यूपीसी) ने जवाहर भवन में अपना 32वां स्थापना दिवस समारोह मनाया। देशभर की महिला पत्रकारों के इस प्रमुख संगठन के समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस सुधांशु धूलिया शामिल हुए। कार्यक्रम में रुहानी सिस्टर्स और आईडब्ल्यूपीसी की सदस्य एवं गायिका अनुराधा रमन ने संगीतमय प्रस्तुतियां भी दीं। अपने संबोधन में जस्टिस सुधांशु धूलिया ने पत्रकारिता में मानवता और संवेदनशीलता को सबसे अहम बताया। उन्होंने अपने परिवार के मीडिया से पुराने जुड़ाव का जिक्र करते हुए बताया कि उनके परिवार का कोटद्वार से प्रकाशित होने वाला 'कर्मभूमि' नाम का अखबार था। पत्रकारों और उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पत्रकारिता की बुनियादी जिम्मेदारियों में से एक है सत्ता से सच बोलना। मौजूदा समय में मीडिया के लिए निष्पक्ष रहना पहले से कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण हो गया है। रवांडा में हुए नरसंहार से लेकर गाजा में जारी हिंसा का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि पत्रकार को अपनी अंतरात्मा की आवाज सुननी चाहिए और सच के पक्ष में खड़ा होना चाहिए। उन्होंने कहा, 'एक पत्रकार को पक्ष चुनना पड़ता है और अपनी अंतरात्मा के अनुसार बोलना होता है। आज के दौर में निष्पक्ष बने रहना आसान नहीं है।' जस्टिस धूलिया ने कहा कि भारत की आजादी के समय पत्रकारिता की शिक्षा देने वाले संस्थान भले ही नहीं थे, लेकिन उस दौर के पत्रकारों में राजा राममोहन राय, महात्मा गांधी, बाल गंगाधर तिलक और डॉ. बी.आर. आंबेडकर जैसी महान हस्तियां शामिल थीं।

पत्रकार मनोज शर्मा पर जानलेवा हमले के मामले में पुलिस आयुक्त से मिले पत्रकार, एक सप्ताह का अल्टीमेटम; कार्रवाई नहीं हुई तो होगा आंदोलन

अपूर्वा चौधरी बोलीं- पत्रकारों की सुरक्षा से समझौता बर्दाश्त नहीं, पीड़ित पत्रकार मनोज शर्मा ने बयां की हमले की पूरी आपबीती

वेलकम इंडिया संवाददाता



गाजियाबाद। वरिष्ठ पत्रकार मनोज कुमार शर्मा पर 10 नवंबर को राजनगर क्षेत्र में हुए जानलेवा हमले के मामले में पुलिस कार्रवाई में देरी को लेकर पत्रकारों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। सोमवार को एक्टिव जर्नलिस्ट एसोसिएशन की अध्यक्ष अपूर्वा चौधरी के नेतृत्व में दर्जनों पत्रकारों ने पुलिस आयुक्त से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा और आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी सहित निष्पक्ष जांच की मांग की। पत्रकारों ने पुलिस प्रशासन को एक सप्ताह का समय देते हुए चेतावनी दी कि निर्धारित समय में ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो पत्रकार समाज लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन शुरू करेगा। ज्ञापन में बताया गया कि थाना कविनगर में [illegible] संख्या 0792/2026 दर्ज है। मामले में राजकुमार, सौरव और तीन अज्ञात व्यक्तियों को आरोपी बनाया गया है। हमले में मनोज शर्मा के चेहरे की कई हड्डियां टूटने के साथ मुंह और दांतों में गंभीर चोटें आई थीं। पत्रकारों ने मेडिकल रिपोर्ट और अन्य चिकित्सकीय साक्ष्यों के आधार पर मुकदमे की धाराओं की समीक्षा कर प्रभावी कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। साथ ही सभी आरोपियों की गिरफ्तारी, सीसीटीवी फुटेज की जांच और पीड़ित परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग भी उठाई। इस दौरान अपूर्वा चौधरी ने कहा कि एक वरिष्ठ पत्रकार पर जानलेवा हमला होना बेहद गंभीर मामला है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि घटना के इतने दिन बाद भी आरोपियों की गिरफ्तारी और पुलिस कार्रवाई को लेकर सवाल उठ रहे हैं। उन्होंने कहा, 'पत्रकार समाज किसी विशेष सुविधा की मांग नहीं कर रहा है, बल्कि कानून के तहत न्याय चाहता है। यदि पत्रकार अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए सुरक्षित नहीं हैं तो यह पूरे समाज के लिए चिंता का विषय है। पुलिस प्रशासन को मामले की गंभीरता समझते हुए दोषियों के खिलाफ निष्पक्ष और प्रभावी कार्रवाई करनी चाहिए। अब केवल आश्वासन नहीं, जमीन पर कार्रवाई दिखाई देनी चाहिए।' पीड़ित पत्रकार मनोज शर्मा ने घटना के बारे में बताते हुए कहा कि 10 नवंबर को उन पर हमला किया गया, जिसमें उन्हें चेहरे, मुंह और दांतों में गंभीर चोटें आईं। उन्होंने बताया कि इस हमले के बाद से उन्हें शारीरिक तकलीफ के साथ मानसिक परेशानी भी झेलनी पड़ रही है। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराते हुए हमलावरों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की। पुलिस आयुक्त ने प्रतिनिधिमंडल की बात सुनकर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। एसोसिएशन ने पुलिस प्रशासन को एक सप्ताह का समय दिया। इस अवसर पर विपुल कुमार, राहुल कुमार, ललित चौधरी, विपिन कुमार, प्रीति मिश्रा, मुकेश गुप्ता, सुमन मिश्रा, देव कुमार वर्मा सहित दर्जनों पत्रकार मौजूद रहे। अपूर्वा चौधरी ने स्पष्ट कहा कि यदि एक सप्ताह में ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो एक्टिव जर्नलिस्ट एसोसिएशन के नेतृत्व में पत्रकार समाज आंदोलन करेगा।

मतदाता सूची में नाम नहीं तो तुरंत कराएं दर्ज, त्रुटियों में भी करें सुधार

- ईसीआई नेट ऐप से घर बैठे मिलेगी मतदाता संबंधी सुविधा, डीएम ने की पात्र नागरिकों से अपील

वेलकम इंडिया संवाददाता



गाजियाबाद। जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मॉदड़ ने जनपदवासियों से मतदाता सूची में अपना नाम जांचने और छूटे हुए पात्र लोगों से नाम दर्ज कराने की अपील की है। उन्होंने कहा कि 18 वर्ष या उससे अधिक आयु के जिन नागरिकों का नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं है, वे फॉर्म-6 भरकर आवेदन करें। वहीं, नाम, आयु और पते में गलती होने पर फॉर्म-8 तथा अपात्र या मृत व्यक्ति का नाम हटवाने के लिए फॉर्म-7 भर सकते हैं।

डीएम ने बताया कि मतदाता अपने बीएलओ से संपर्क करने के अलावा निर्वाचन आयोग की वेबसाइट voters.eci.gov.in या ईसीआई नेट मोबाइल ऐप के माध्यम से घर बैठे ये कार्य कर सकते हैं। आवेदन के लिए आयु और निवास प्रमाण संबंधी मान्य दस्तावेज उपलब्ध कराने होंगे। आधार कार्ड देना स्वैच्छिक है, इसके बिना आवेदन निरस्त नहीं होगा। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में होना जरूरी है। इसलिए सभी लोग स्वयं और परिवार के सदस्यों का नाम सूची में अवश्य जांचें।